CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-280
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 14 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

उस व्यक्ति ने अमरत्व प्राप्त कर लिया है, जो किसी सांसारिक वस्तु से व्याकुल नहीं होता। - स्वामी विवेकानंद

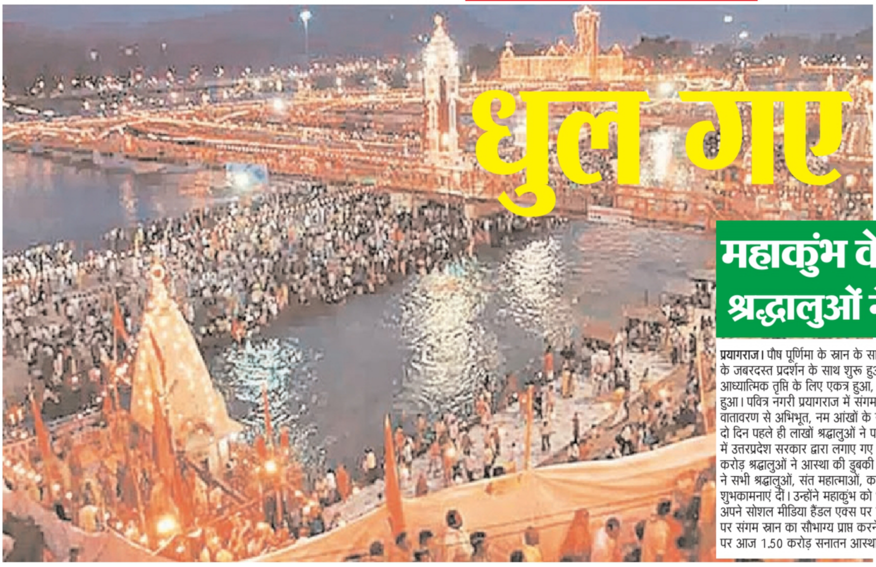

धुल गए 'पाप'

महाकुंभ के पहले दिन 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज। पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ प्रयागराज में महाकुंभ 2025 सोमवार से आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक एकता के जबरदस्त प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ। यहां देश और दुनियाभर से भक्तों का समूह न केवल जप, ध्यान और आध्यात्मिक तृप्ति के लिए एकत्र हुआ, बल्कि महाकुंभ की बेजोड़ सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने के लिए भी एकत्र हुआ। पवित्र नगरी प्रयागराज में संगम नोज समेत स्थायी और अस्थायी घाटों पर भारी भीड़ रही। कई भक्तों को दिव्य वातावरण से अभिभूत, नम आंखों के साथ देखा गया। वहीं कई लोग प्रार्थना, अनुष्ठान और एकता की भावना में डूबे रहे। दो दिन पहले ही लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान करना शुरू कर दिया था, जो दर्शाता है कि 45 दिवसीय महाकुंभ 2025 में उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भीड़ के अनुमान को पार कर सकता है। पहले दिन ही शाम छह बजे तक 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। भक्तों पर हेलिकॉटर से फूलों की वर्षा की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी श्रद्धालुओं, संत महात्माओं, कल्पवासियों और आगंतुकों का स्वागत करते हुए महाकुंभ के प्रथम स्नान की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने महाकुंभ को भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक बताया। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है- मानवता के मंगलपर्व 'महाकुम्भ 2025' में पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर संगम स्नान का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सभी संतगणों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। प्रथम स्नान पर्व पर आज 1.50 करोड़ सनातन आस्थावानों ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया।

चंपत राय को मिला देवी अहिल्या राष्ट्रीय पुरस्कार

मोहन भागवत बोले- अब मन में बनना चाहिए राम मंदिर

इंदौर। इंदौर में सोमवार को देवी अहिल्या राष्ट्रीय पुरस्कार श्री रामभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय को दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत का स्व राम कृष्ण शिव है। शिव देश के कण-कण में है। कोई किसी भी पूजा पद्धति को माने लेकिन स्व सभी पर लागू होता है। उन्होंने कहा कि रामजन्भूमि आंदोलन नहीं यज्ञ है। कुछ शक्तियां राम मंदिर नहीं बनने देना चाहती थी, इसलिए संघर्ष लंबा चला। जन्मभूमि का आंदोलन चलता था तो विद्यार्थी पूछते थे कि रोजी-रोटी के बजाए ये मंदिर क्यों लगा रखा है। तब मैं उनसे कहता था कि यह आंदोलन भारत के स्व की जागृति के लिए है। अब वही हो रहा है। 1992 के बाद लोग बोलते थे मंदिर वही बनाएंगे, तारीख नहीं बताएंगे। पिछले वर्ष मंदिर की प्रतिष्ठा हुई। कोई झगड़ा नहीं हुआ। कोई कलह सामने नहीं आया। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या ने

अपना राज्य राम राज्य की तरह चलाया। प्रतिष्ठा द्वादशी 11 जनवरी को मनाई गई। अयोध्या में मंदिर बन गया। अब मन में बनना चाहिए।

चंपत राय बोले- यह देव स्थानों को मुक्त करने का समय चंपत राय ने कहा कि अयोध्या, मथुरा, काशी के देव स्थानों को मुक्त करने का समय आ गया है। यह बात कांग्रेस सांसद दाऊ दयाल ने सबसे पहले 1983 में एक आयोजन में उठाई थी। फिर धीरे धीरे यह आंदोलन के स्वरूप में आ गया। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि के लिए 75 लड़ाइयां लड़ी गईं। यह पुरस्कार उन सभी को समर्पित है। पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने कहा कि पहले देवी अहिल्या का उत्सव सादगी से मनाया जाता था, लेकिन वर्ष 1995 के बाद अहिल्या मां की कीर्ति के अनुसार समारोह का स्वरूप बढ़ता गया। सालभर कुछ न कुछ आयोजन होते हैं। अतिथियों का स्वागत अनिल डागा, राम मूंदड़ा, सरयू वाघमारे, सुधीर दांडेकर, सुनील धर्माधिकारी, नीलेश केदार ने किया। संचालन नितिन माहेश्वरी ने किया। बता दें कि चंपत राय विहिप नेता और श्री राम भूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव है।

दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर पहुंचा 5जी नेटवर्क

नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में अपनी 5जी सर्विस शुरू कर दी है। भारतीय सेना की 'फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स' ने एक ट्विट के जरिये इसकी जानकारी दी। सेना के मुताबिक जियो टेलीकॉम और भारतीय सेना ने साथ मिलकर दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर पहला 5जी मोबाइल टॉवर सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। इसे सियाचिन की एक अग्रिम चौकी पर लगाया गया है। 15 जनवरी को सेना दिवस से ठीक पहले सियाचिन ग्लेशियर पर 4जी व 5जी सेवा शुरू कर जियो नेअभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। सियाचिन ग्लेशियर पर सर्विस शुरू करने वाला जियो देश का पहला ऑपरेटर बन गया है। सेना ने इसे शानदार उपलब्धि बताते हुए

कहा कि यह अदम्य उपलब्धि हमारे बहादुर सैनिकों को समर्पित है जिन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तैनात रह कर इस चैलेंज को पूरा किया।

बेहद कठिन काम था यहां टावर लगाना इतनी ऊंचाई पर टावर लगाना बेहद कठिन रहा। सेना ने रसद सहित क्रू मेंबर की सुरक्षा सुनिश्चित की। तो जियो ने अपनी स्वदेशी फुल-स्टैक 5जी तकनीक का उपयोग किया। फायर एंड फ्यूरी सिग्नलर्स और सियाचिन वारियर्स ने जियो की टीम के साथ मिलकर उत्तरी ग्लेशियर में 5जी टावर स्थापित कर दिया। इस क्षेत्र में तापमान -50डिग्री तक गिर जाता है। ठंडी हवा और बर्फीले तूफान अक्सर यहां आते रहते हैं। सेना ने कहा, यह कदम भारतीय सेना की तकनीकी क्षमता को और बढ़ाएगा और सैनिकों को बेहतर संचार सुविधा प्रदान करेगा। 5जी कनेक्टिविटी के जरिये सैनिकों को अधिक तेज और विश्वविसनीय संचार सुविधाएं मिलेंगी, जो उनके अभियानों में सहायक होंगी।

16,000 फीट की ऊंचाई पर कनेक्टिविटी प्रवक्ता ने कहा कि इस सहयोग से काराकोरम पर्वतमाला में 16,000 फीट की ऊंचाई पर कनेक्टिविटी सुनिश्चित हुई है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां सैनिकों के लिए रहना आसान नहीं होता। बावजूद इसके वे देश की रक्षा के लिए यहां डटे रहते हैं। अब इस सेवा से किसी भी आपातकालीन स्थिति में सियाचिन ग्लेशियर पर मौजूद भारतीय सैनिक मुख्यालय में सूचना दे पाएंगे। साथ ही अपने परिवार के सदस्यों से भी बात कर पाएंगे। इस सेवा सैनिकों के के जीवन में काफी आसानी होगी।

संतों के सुझाव पर अमल की तैयारी- सीएम मोहन यादव बोले- धार्मिक शहरों में नियम-कानून बदलने की हो रही तैयारी

मप्र के धार्मिक शहरों में होगी शराबबंदी

भोपाल। मध्यप्रदेश के धार्मिक शहरों में नियम-कानून बदलने जा रहा है। राज्य की बीजेपी सरकार इन शहरों में शराब पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। संतों ने भी राज्य सरकार से इस दिशा में काम करने की सिफारिश की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि उनका प्रशासन राज्य के धार्मिक शहरों में अपने नियमों को बदलने पर विचार कर रहा है। साथ ही इन शहरों में शराब पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। सीएम यादव ने कहा कि राज्य सरकार पवित्र शहरों की सीमाओं के अंदर शराब की दुकानों को बंद करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि संतों ने भी ऐसी ही सिफारिशें की हैं। सीएम यादव ने कहा कि वर्तमान बजट वर्ष समाप्त होने वाला है। हमारी सरकार सोच रही है कि हमें धार्मिक शहरों में अपनी नीति में संशोधन करना चाहिए। उन शहरों में शराब पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। कई संतों ने सुझाव दिए हैं और हमारी सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है। धार्मिक शहरों की सीमा के भीतर शराब की दुकानें बंद कर देनी चाहिए, ताकि हम धार्मिक माहौल

के बारे में लोगों की शिकायतों की दिशा में ठोस कदम उठा सकें। हम गंभीर हैं और जल्द ही इस संबंध में निर्णय लेंगे। बता दें कि मध्यप्रदेश में कई धार्मिक शहर हैं। इनमें उज्जैन विश्व प्रसिद्ध है। यहां के महाकालेश्वर मंदिर में देश-विदेश से लोग आते हैं। इसके अलावा अमरकंटक, मैहर, खजुराहो, कान्हा, सांची, ओंकारेश्वर, चित्रकूट सहित कई धार्मिक शहर हैं।

नई आबकारी नीति आएगी सीएम डॉ. मोहन यादव ने दो दिन पहले वाणिज्यिक कर विभाग की समीक्षा बैठक में आबकारी नीति पर चर्चा की थी। इसमें अफसरों की ओर से दिए सुझाव को बदलने के लिए कहा गया है। इसके बाद बजट सत्र के पहले नई आबकारी नीति के प्रस्ताव को कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी जाएगी। एक अप्रैल 2025 से यानी नए वित्त वर्ष से इसे लागू किया जाएगा। तत्कालीन मुख्यमंत्री उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में प्रदेश के 17 शहरों को पवित्र नगर घोषित किया जा चुका है। इसी लिहाज से यहां कई प्रतिबंध भी सरकार ने लगाने का फैसला किया था लेकिन अमल नहीं हो पाया है।

सिंहस्थ में शिप्रा के जल में ही होगा स्नान मुख्यमंत्री ने सिंहस्थ 2028 को लेकर कहा कि इस बार साधु-संतों को शिप्रा नदी के पवित्र जल से ही स्नान कराया जाएगा। सिंहस्थ में पहले गंभीर नदी के जल से स्नान कराया जाता था। इसके बाद 2026 में नर्मदा नदी के जल का उपयोग किया गया। उन्होंने बताया कि शिप्रा जी के जल की मात्रा बहुत कम आती है और बरसाती नदी होने के चलते पानी स्टोर नहीं हो पाता था। अब, सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के तहत क्षिप्रा नदी का जल उपलब्ध होगा, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर स्नान व्यवस्था मिलेगी। यह परियोजना लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही है और इसका निर्माण 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है।

कांग्रेस हुई हमलावर धार्मिक नगरों में शराबबंदी को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि इससे पहले नर्मदा किनारे शराबबंदी का फैसला लिया गया था, लेकिन नर्मदा किनारे एक गांव ऐसा नहीं है, जहां अवैध या वैध शराब न बिक रही हो। मुख्यमंत्री रोज नए-नए शिगूफे छोड़कर लोगों को गुमराह करते हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था लाचार होती जा रही है। प्रदेश में माफिया का राज होता जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव को पहले उज्जैन में शराब बंदी करनी चाहिए थी। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मप्र के धार्मिक शहरों में शराबबंदी की जाना चाहिए, इसमें सरकार को क्या परेशानी है। बेहतर हो कि इसकी शुरुआत उज्जैन से ही जाए, जो पावन और महाकाल की पवित्र नगरी है। मेरी तो मांग है कि पूरे प्रदेश में शराबबंदी की जाना चाहिए। शराब की गुजरात सप्लाई के लिए बाकी जिलों को क्यों छोड़ा जाए। यह सिर्फ बोलने से नहीं होगा। इसके लिए आदेश निकालना होगा। देखते हैं मुख्यमंत्री जी यह कब करते हैं।

पुलिस विभाग में फेरबदल इंदौर, जबलपुर सहित 9 जिलों में तैनात 16 अफसरों के ट्रांसफर

मध्यप्रदेश में धड़ाधड़ तबादले हो रहे हैं। IAS और IFS अफसरों के बाद अब मोहन सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। सोमवार (13 जनवरी) को मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय ने इंस्पेक्टरों और सब-इंस्पेक्टरों सहित 16 अधिकारियों के ट्रांसफर किए हैं। एमपी के इंदौर, देवास, सतना सहित अलग-अलग जिलों में तैनात अधिकारियों को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल बुलाया है। इन अधिकारियों को 3 वर्षों के लिए तैनात किया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि स्थानांतरित अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लंबित जांच या अपराध से संबंधित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें।

वन विभाग में हुआ था बड़ा फेरबदल मध्य प्रदेश में तबादलों का दौर जारी है।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

एक कविता मां के लिए
घुटनों से रेंगते रेंगते कब पैरों पर खड़ा हुआ,
तेरी ममता की छांव में,
जाने कब बड़ा हुआ
काला टीका दूध मलाई
आज भी सब कुछ वैसा है
मैं ही मैं हूं हर जगह ये प्यार तेरा कैसा है
सीधा साधा भोला भाला
मैं ही सबसे अच्छा हूं कितना भी हो जाऊं बड़ा
मां मैं आज भी तेरा बच्चा हू

स्व. श्रीमती सरला देवी मिश्रा
स्वर्गवास 14.1.2020
पंचम पुण्यस्मरण
श्रद्धांनावत
मिश्रा परिवार
CCN GROUP
CNews सिटी चीफ अभिप्राय CCN CABLE

गरमाया गोपाल मंदिर में शादी का मुद्दा, प्रबंधक की सेवा समाप्त

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के ऐतिहासिक गोपाल मंदिर में रविवार को विवाह समारोह होने का मुद्दा गरमा गया है। मात्र 25 हजार रुपए शुल्क लेकर प्राचीन मंदिर में विवाह की इजाजत दे दी गई थी। इस मामले में इंदौर के संभागायुक्त दीपक सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए गोपाल मंदिर इंदौर के प्रबंधक के.एल. कौशल की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दीं। वहीं माफी ऑफिसर डिप्टी कलेक्टर विनोद राठौर को भी प्रभारी पद से हटा दिया गया। माफी अधिकारी आयुक्त कार्यालय इंदौर का प्रभार संयुक्त कलेक्टर कल्याणी पांडे को सौंपा गया है। संभागायुक्त दीपक सिंह ने इंदौर के कलेक्टर आशीष सिंह को गोपाल मंदिर में विवाह समारोह आयोजित किए जाने के संबंध में जांच के आदेश दिए हैं। बता दें, शासकीय परिसरों में बिना शासन अनुमति के किसी भी तरह की गतिविधियों का संचालन प्रतिबंधित है। कमिश्नर दीपक सिंह ने गोपाल मंदिर व्यवस्था संबंध संचालन के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश बनाने के लिए उच्च स्तरीय समिति गठन करने के निर्देश भी कलेक्टर को दिए हैं। यह समिति मंदिर के संचालन संबंधी विस्तृत दिशा निर्देश तैयार करेगी। प्रारंभिक जांच में यह पता चला कि पहले भी गोपाल मंदिर शादी के

लिए किराए पर दिया जाता था, लेकिन इस बार की शादी में ज्यादा मेहमानों को बुलाया गया और वहां पर खाने की व्यवस्था भी की गई। उधर, भाजपा के पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा ने कहा कि इंदौर के अफसर बधाई के पात्र हैं। शहर के मध्य गोपाल मैरेज हॉल का जनता को पता चला। करोड़ों रुपये लगाकर जिस मंदिर को संवारा गया, उसे नाममात्र के किराए पर क्यों दिया जा रहा है? मंदिर परिसर के किराएदारों को पहले निकाला गया। इससे कई लोग बेरोजगार हो गए, लेकिन अब तो मंदिर परिसर ही किराए पर दे दिया गया। इससे भक्तों की भावनाएं आहत हुई है। अब कोई भी अफसर इसकी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है।

मंदिरों से कमाई कर रहे

कांग्रेस नेता राजेश चौकसे ने कहा कि भाजपा के राज में मंदिरों से भी कमाई की जा रही है। इससे जनभावनाएं आहत हुई हैं। इंदौर में कई निर्धन परिवार कम्युनिटी हॉलों में विवाह आयोजन करते हैं, लेकिन धीरे-धीरे कई कम्युनिटी हॉल तोड़ दिए गए और अब मंदिर शादी के लिए किराए पर दिए जा रहे हैं। नेमा ने कहा कि इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को अफसरों पर सख्त कदम उठाना चाहिए।

विवाह आयोजन का मामला तूल पकड़ने के बाद सोमवार सुबह शादी के टेंट-तंबू तो गायब हो गए, लेकिन गोपाल मंदिर परिसर में जगह-जगह कचरा फैला हुआ था। इससे सुबह दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को परेशानी हुई। भक्तों का कहना है कि पहले हमने कभी यहां शादी के आयोजन नहीं देखे। प्रवासी सम्मेलन के दौरान जरूर विदेशी मेहमानों के लिए मंदिर को सजाया गया था।

गर्भगृह के सामने बनाया था हवन कुंड

बता दें, रविवार को मंदिर में एक कारोबारी ने अपनी बेटी की शादी कराई। मंदिर परिसर में फूलों का डेकोरेशन किया गया था। गलियारे में मेहमानों के लिए सोफे रखे गए थे। मंदिर में गर्भगृह के सामने हवन कुंड बना दिया गया था और दुल्हा-दुल्हन के फेरे के लिए डेकोरेशन किया गया था। आसपास कुर्सियां भी लगाई गई थी। मंदिर परिसर में ही भोजन भी तैयार किया गया था।

सरकारी स्कूल में भी बिना इजाजत हुए दो निकाह

इंदौर के एक सरकारी स्कूल में बिना अनुमति के दो निकाह करवाने का मामला सामने आया है। खास बात यह कि निकाह की पार्टी में शराब और कबाब परोसे गए। भोजन भी स्कूल परिसर में बना। मामला संयोगितागंज क्षेत्र स्थित सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल का है। यहां रविवार को बिना अनुमति के अब्बासी परिवार के दो निकाह आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में न केवल नियमों की अनदेखी की गई, बल्कि स्कूल परिसर में शराब और मांसाहार परोसे गए। मामले में प्रिंसिपल ने पुलिस को शिकायत की है। एसीपी तुषार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जाएगी।आयोजन के बाद स्कूल ग्राउंड में गंदगी का आलम था। सोमवार को वहां शराब की खाली बोतलें, हड्डियां और अन्य कचरा बिखरा हुआ मिला। मामले में स्कूल के प्रिंसिपल आरके चेलानी ने संयोगितागंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। चौंकाने वाली बात यह कि सारी जूठन और गंदगी को ठिकाने लगाने के लिए स्कूल परिसर में ही बड़ा गड्?ढा खोल उसमें डाल दिया गया। इससे काफी बदबू और गंदगी है। अब्बासी परिवार के रिश्तेदार का मो. युनूस का कहना है कि दो निकाह के आयोजन थे। इसमें पार्टी में वेज-नॉनवेज बनाए गए थे। शराब परोसने की बात निराधार है। प्रिंसिपल चेलानी के मुताबिक उन्होंने इस तरह के आयोजन की कोई अनुमति नहीं दी है। जब कार्यक्रम स्थल पर जाकर देखा कि एक बड़े स्तर पर निकाह हो रहा है। तुरंत पुलिस थाने में लिखित शिकायत दी।

परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष बोले-

4 बच्चे पैदा करें ब्राह्मण, एक लाख रुपए इनाम मिलेगा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। हमारे देश में विधर्मी लोगों की आबादी बहुत तेजी से बढ़ रही है। वजह ये है कि हमने अपने परिवार पर ध्यान देना लगभग बंद कर दिया है। युवाओं से मेरी बड़ी उम्मीद है। जो युवा हैं वह ध्यान से कान खोलकर सुन लें कि आने वाली पीढ़ी की रक्षा आपके हाथों में है। जो युवा अच्छा पद-प्रतिष्ठा हासिल कर लेते हैं और एक बच्चा करके विराम लगा देते हैं। ये मामला बहुत ही गड़बड़ है। मेरा आपसे आग्रह है कि चार तो होना ही चाहिए। जिनके चार बच्चे होंगे सनाढ्य समाज में उन्हें परशुराम कल्याण बोर्ड एक लाख रुपए का इनाम देगा। चाहे मैं परशुराम कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष रहूं या ना रहूं। कोई भी रहेगा उसकी ओर से दिया जाएगा। यह बातें इंदौर में आयोजित सनाढ्य ब्राह्मण समाज के परिचय सम्मेलन में परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष विष्णु राजोरिया ने कही। उन्होंने नए जोड़ों से चार बच्चे पैदा करने का आग्रह किया है। इसके लिए बतौर प्रोत्साहन उन्हें 1 लाख रुपए इनाम देने की घोषणा भी की। सम्मेलन रविवार को हुआ था। परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष राजोरिया ने मंच से कहा मैं युवाओं से पूछता हूं तो वे ये कहते हैं कि पढ़ाई में ज्यादा खर्च होता है, अरे खर्चा कम होगा, ज्यादा होगा। थोड़ा कम में गुजारा कर लेंगे, लेकिन बच्चे पैदा करने में पीछे नहीं रहना है, नहीं तो विधर्मी लोग इस देश पर कब्जा कर लेंगे। ब्राह्मणों की संख्या तो कम होती जा रही है। इतना बड़ा इंदौर शहर

है, अगर सभी ब्राह्मण आ जाते तो एक लाख हो जाते, लेकिन यहां पर इस छोटी सी जगह को भी आपने भर दिया। ये आपकी बड़ी कृपा है।

तभी हो सकेगी सनातन की रक्षा

राजोरिया ने कहा कि सबसे पहले मेरा यही विचार था कि ब्राह्मणों की संख्या कम हो रही है। युवाओं से आग्रह है कि आप संख्या बढ़ाएं। आने वाली संतानें इस देश में अपना नाम, अपना समाज, अपना गोत्र, अपना सूत्र सभी की रक्षा कर सकें। सनातन की रक्षा तभी होगी जब ब्राह्मणों की संख्या पर्याप्त होगी। राजोरिया ने धर्मांतरण का भी एक उदाहरण दिया और कहा कि जहां भी खोदा, बुलडोजर चला, वहां कोई ना कोई मंदिर के अवशेष निकल आते हैं, क्योंकि ब्राह्मणों ने रक्षा करने का प्रयत्न किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को ये बातें मिर्ची की तरह लग रही होंगी, लेकिन ये तो आपको करना ही पड़ेगा। ये ज्वलंत विषय है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। मैं सभी जगह संदेश प्रसारित कर रहा हूं कि ब्राह्मणों की संख्या बढ़ाओ, क्योंकि लोकतंत्र में जन बल सबसे बड़ा बल है।

इंदौर में सुपर कॉरिडोर और महू में आर्मी वॉर कॉलेज पर तेंदुए की दहशत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। महू के आर्मी वॉर कॉलेज परिसर में एक बार फिर तेंदुए की मौजूदगी दर्ज की गई है। कॉलेज में लगे सीसीटीवी कैमरों में तेंदुए का मूवमेंट कैद हुआ है, जिसके बाद वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई है। वन विभाग के रेंजर नयन कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम ने क्षेत्र में पिंजरे और अतिरिक्त कैमरे लगाकर तेंदुए को पकड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल भी इसी क्षेत्र में एक तेंदुआ पिंजरे में कैद किया गया था। आर्मी क्षेत्र में वन्यजीवों का मूवमेंट कोई नई बात नहीं है। इससे पहले यहां बाघ की उपस्थिति भी दर्ज की जा चुकी है। वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रही है और तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू करने का प्रयास कर रही है। इंदौर के सुपर कॉरिडोर पर भी तेंदुए की मौजूदगी से दहशत का माहौल है। सोमवार देर रात तेंदुए का मूवमेंट हुआ, जिसका सीसीटीवी फुटेज मंगलवार सुबह सामने आया। पिछले एक सप्ताह से तेंदुए का मूवमेंट इस क्षेत्र में हो रहा था, लेकिन पहली बार वह कैमरे में कैद हुआ है। सुपर कॉरिडोर पर तेंदुए के पैरों के निशान भी मिले हैं। तेंदुए को पकड़ने के लिए टीसीएस-इन्फोसिस कैंपस के पास नैनोद गांव की समर्थ सिटी कॉलोनी में वन विभाग की टीम तैनात कर दी गई है। लोगों और आसपास की सॉफ्टवेयर कंपनियों को अलर्ट जारी कर दिया गया है। वन विभाग का दावा है कि जल्द ही तेंदुए को पकड़ लिया जाएगा।महू और आसपास के जंगलों में कई बार तेंदुए नजर आ चुके हैं। कुछ समय पहले टीसीएस कंपनी और अन्य आईटी कंपनियों के कैंपस के आसपास भी तेंदुआ नजर आया था। वन विभाग समय समय पर इसके लिए आसपास के क्षेत्रों में अलर्ट भी करता रहता है।

पटवारी बोले- नौ सीटें भाजपा की झोली में डालने का खामियाजा भुगत रहे इंदौरी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर के पार्षद विवाद मामले में कहा है कि इंदौर की सफाई के कारण हमें गर्व महसूस करता है, लेकिन भाजपा के गुंडे शहर की संस्कृति को तार-तार कर रहे है। पहले पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन के परिवार पर हमला हुआ और अब भाजपा के पार्षद के परिजनों को भाजपा के ही गुंडों का आंतक झेलना पड़ा।जनता कांग्रेस से भी नाराज है कि इस मुद्दे पर अब तक कुछ क्यों नहीं बोला जा रहा है, लेकिन शहरवासियों को भी सोचना चाहिए कि उन्होंने भाजपा को 9 सीटें जीता कर दी। बदले में भाजपा ने क्या दिया? शहरवासी अब अपने भरपूर जनमत का खामियाजा भुगत रहे है। वोट देते समय उन्हें सोचना चाहिए था कि तराजू का पलड़ा बराबर रखना चाहिए। विपक्ष जनता की आवाज हमेशा से रहा है, लेकिन उसे मजबूत करने की जिम्मेदारी जनता की भी है। पटवारी ने कहा कि 27 जनवरी को बाबा साहेब आंबेडकर की जन्मस्थली महू में कांग्रेस का बड़ा आयोजन होगा। इसमें कांग्रेस के बड़े नेता शामिल होंगे। देश का संविधान खतरे में है। दस साल में 600 से ज्यादा विधायकों की खरीद फरोख्त की गई। सरकारी एजेंसियो को सरकार ने अपना तोता बना रखा है। चुनाव से पहले बड़े नेता जेल में भेजे जाते है। दूसरे दलों के बैंक

खाते चुनाव के समय सील किए जाते है।देशवासी खुद महसूस कर रहे है कि देश का संविधान खतरे में है। जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए जमाने का भारत बताते है। पत्रकारवार्ता में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि भाजपा के जो नेता कांग्रेस के डीएनए को लेकर बयान दे रहे है। उन्हें खुद का डीएनए जांच करवाना चाहिए। उधर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पटवारी के बयान पर भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने कहा कि पटवारी खुद महिलाअ?ों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर चुके है। उन पर प्रकरण भी दर्ज हुआ है। भाजपा ने जीतू यादव के खिलाफ एक्शन लिया और छह साल के लिए भाजपा से निष्कासित कर दिया।

नगर निगम की टीम ने जब्त की ढाई टन पॉलीथिन

इंदौर। इंदौर नगर निगम की टीम ने ढाई टन पॉलीथिन जब्त की है। साथ ही एक लाख रुपए का स्पॉट फाइन की कार्रवाई भी की है। निगम की टीम रविवार को पूरे दिन इस माल के आने और कार्रवाई करने का इंतजार करती रही। पिछले 7 सालों से नगर निगम की टीम प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चला रही है। इसी कड़ी में निगम की टीम ने न्यू लोहामंडी इलाके में स्थित ह्यन्यू एनआरसी लॉजिस्टिकह्न नामक ट्रांसपोर्ट के गोडाउन पर कार्रवाई की। स्वास्थ्य अधिकारी गौतम भाटिया ने बताया कि, उन्हें इस माल के आने की पहले सूचना मिल गई थी। रविवार को उनकी टीम पूरे दिन गोडाउन के बाहर माल के आने का इंतजार करती रही, लेकिन माल नहीं आया। रात में माल पहुंचा और गोडाउन में रखा गया। सोमवार सुबह गोडाउन खुलते ही नगर निगम की टीम ने कार्रवाई शुरू की। गोडाउन में लगभग 80 से 100 कट्टे मिले, जिनमें करीब ढाई टन पॉलीथिन थी। इस माल को जब्त कर लिया गया और साथ ही 1 लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया गया। गौतम भाटिया ने बताया कि पिछले सात सालों से निगम की टीम प्रतिबंधित प्लास्टिक पर कार्रवाई करती आ रही है। ये जानकारी मिली है कि गुजरात से ये माल लाया जाता है। जिसे इंदौर और आसपास खपाया जाता है। इस तरह के मामलों में पूरा माल जब्त किया जाता है और एक लाख रुपए का स्पॉट फाइन किया जाता है।

इंदौर में सीवियर कोल्ड डे जैसी हालत, दिन का पारा 3 डिग्री लुढ़का

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में रविवार से मौसम में हुआ बदलाव सोमवार को भी देखने को मिला। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवा के चलते ठंड ने जोर पकड़ लिया है। रविवार को दिन का तापमान 5 डिग्री लुढ़ककर 22.4 (-4) डिग्री सेल्सियस पर आ गया था। रात भी काफी कंपकपाने वाली रही। रात का तापमान 6 डिग्री लुढ़ककर 7.6 (-3)डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। सोमवार सुबह से भी जबरदस्त ठिठुरन रही और दिन में तेज हवा के कारण इसका असर और बढ़ गया। इस दौरान तापमान 3 डिग्री लुढ़ककर 19.5 (-7) डिग्री सेल्सियस पर आ गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक यह स्थिति सीवियर कोल्ड की है। कोल्ड डे के लिए न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम और अधिकतम तापमान से

4.5 डिग्री कम होना चाहिए। वहीं, जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम होता है और अधिकतम तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री सेल्सियस या उससे कम होता है, तो इसे सीवियर कोल्ड डे कहा जाता है। इसके पूर्व दिसंबर में दो सीवियर कोल्ड डे और तीन कोल्ड डे की स्थिति बनी थी।

कल हल्की बूंदाबांदी की संभावना

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि तापमान में और गिरावट होने की संभावना है। मकर संक्रांति के दिन, यानी 15 जनवरी को, इंदौर और आसपास के इलाकों में बादलों के साथ हल्की बूंदाबांदी की संभावना है, जिससे पतंगबाजी पर असर पड़ सकता है।

मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के चलते और बदलाव की संभावना जताई है।

तेज सर्द हवा दोपहर में भी चल रही

इंदौर में पिछले चार दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी ने राहत दी थी, लेकिन रविवार को ठंड ने फिर से दस्तक दी। तेज सर्द हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। दिन में भी तेज हवाएं चल रही हैं। रात के तापमान में गिरावट के चलते कंपकपी और ठिठुरन बनी रही। जनवरी में अब तक पांच रातें ऐसी रही हैं, जब तापमान 10 डिग्री से नीचे गिरा। इस महीने का सबसे कम तापमान 7 जनवरी को 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग का अनुमान है कि मकर संक्रांति के दौरान भी ठंड का असर बना रहेगा।

दो दिन इसी तरह का रहेगा मौसम

उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण रविवार को ठंड का असर और बढ़ गया। मौसम विभाग के अनुसार, इन हवाओं की रफ्तार 260 किमी प्रति घंटा तक पहुंची, जिससे दिन का तापमान और गिर गया। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और लद्दाख में बर्फ पिघलने के कारण ठंड का प्रकोप बढ़ा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, आने वाले दिनों में हवा की रफ्तार और तेज हो सकती है, जिससे ठंड में और इजाफा होने की संभावना है।

कोहरे के कारण 22 से ज्यादा फ्लाइट लेट

इंदौर में सोमवार सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा, जिससे विमानों की आवाजाही में देरी हुई। कोहरे के कारण इंदौर से जाने वाली 12 फ्लाइट्स 1 से 3 घंटे तक लेट हो गईं, जबकि आने वाली लगभग 9 फ्लाइट्स अपने तय समय से देर से पहुंचीं। सुबह के समय कोहरा इतना घना था कि आसपास की चीजें देखना मुश्किल हो गया, जिसके चलते वाहनों की लाइट जलानी पड़ी। घने कोहरे का सबसे ज्यादा असर हवाई यातायात पर पड़ा। सुबह कोहरे के कारण पहली उड़ान 6 बजे के बजाय 8 बजे लैंड कर पाई, यानी दो घंटे हवाई यातायात कोहरे के चलते बंद रहा। इसके कारण सुबह आने और जाने वाली 22 से ज्यादा उड़ानें एक से दो घंटे लेट रहीं।

विधानसभा में हुआ फिल्म जंगल सत्याग्रह का शो, बीजेपी नेताओं ने बनाई दूरी

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में सोमवार को फिल्म जंगल सत्याग्रह का प्रीमियर शो रखा गया। यह फिल्म दिखाने का निर्णय पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने लिया था। उन्होंने इसके लिए सभी बीजेपी और कांग्रेस नेताओं को निमंत्रण दिया था। लेकिन दिग्विजय सिंह के निमंत्रण पर बीजेपी के एक भी नेता नहीं पहुंचे, हालांकि कांग्रेस के सभी दिग्गज नेता इस दौरान मौजूद रहे। दरअसल यह फिल्म 1930 के स्वतंत्रता संग्राम में बैतूल के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों पर आदिवासी कलाकारों द्वारा बनाई गई है। कांग्रेस नेताओं में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, पूर्व मंत्री ओमकार सिंह मरकाम, पीसी शर्मा, कमलेश्वर पटेल, विधायक जयवर्धन सिंह, नितेन्द्र सिंह राठौर पहुंचे।दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ

मोहन यादव, पूर्व सीएम उमा भारती, केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित बीजेपी के तमाम विधायकों और मंत्रियों को जंगल सत्याग्रह के प्रीमियर शो देखेने का न्योता दिया था। बीजेपी नेताओं के फिल्म में न आने पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि उनकी रूचि है कश्मीर फाइल्स, केरला, साबरमती एक्सप्रेस, जहां हिंसा, नफरत उद्देश्य है वहां उनका पॉलिटिकल एजेंडा है। हमारा पॉलिटिकल एजेंडा देश की आजादी में जिन लोगों ने कुबार्नी दी है। ऐसे लोगों को आगे बढ़ाने और इतिहास को महिमामंडित करने का हमारा प्रयास है।

सेंसर बोर्ड से मिले मंजूरी, टैक्स फ्री हो फिल्म

दिग्विजय ने कहा कि ये कोई अनुभवी लोग नहीं थे। इन्होंने बड़े प्रोफेशनल तरीके से अच्छी क्वालिटी की फिल्म बनाई है। एक संदेश दिया है कि किस तरह से अंग्रेजों ने इस देश को लूटा। अंग्रेजों ने हमारे जंगलों की बबार्दी की। आदिवासियों की आमदनी का जरिया छीना। हम ये पहले से मांग करते आए हैं। कि इसे न केवल टैक्स फ्री किया जाए, बल्कि इसे सेंसरबोर्ड से तत्काल मंजूरी देकर प्रमोट किया जाना चाहिए। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव से कहूंगा कि इस टीम को प्रोत्साहित करें। और आदिवासियों के जो ऐसे ऐतिहासिक उदाहरण हैं। इसी टीम को पूरा संसाधन देकर इनसे फिल्में तैयार कराई जाएं।

देशी कलाकारों की सरकार करे सहायता

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि मैं समझता हूं कि जो महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जो इतिहास में दर्ज नहीं हैं। उन्हीं सेनानियों के कारण हम स्वतंत्र हैं। मैं मानता हूं कि हम सबको फिल्म देखना चाहिए। फिल्म में किसी प्रकार का राजनीतिकरण छोटी और ओछी बात हो जाएगी। लेकिन, पूरे भारतवर्ष के नागरिक फिल्म देखें। क्योंकि, ये स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान होना चाहिए। पटवारी ने कहा फिल्म को टैक्स फ्री होना चाहिए। हमारे लोकल कलाकार हैं संघर्ष में फिल्म बनी है। सरकार सहायता नहीं करेगी केवल जो बाहर के स्टार आते हैं उनके साथ फोटो खिंचवाने से अच्छा है कि अपने देशी कलाकारों का ध्यान दे। कांतिलाल भूरिया ने कहा कि बीजेपी का तो आदिवासियों से कोई लेना देना नहीं हैं। हमारे आदिवासी कलाकारों ने जो फिल्म बनाई है वो असली है। उस जमाने में आजादी के पहले आदिवासियों पर कैसे अत्याचार होता था। उनको कैसे प्रताडित करते थे वो सब इस फिल्म में दिखा है।

पीएससी एग्जाम में आया सवाल, तो बनाई फिल्म

इस दौरान फिल्म के डायरेक्टर प्रदीप उईके ने कहा कि, मैं पीएससी का एग्जाम दे रहा था उसमें जंगल सत्याग्रह पर प्रश्न पूछा गया। उसके बाद मैंने सरदार गंजन सिंह कोरकू के बारे में पढ़ना शुरू किया। 3 साल में पूरी कहानी खोज पाया। इस फिल्म को बनाने के लिए मैने समाज के लोगों से मदद मांगी। और आदिवासियों पर बनी फिल्म के लिए एक करोड़ तक राशि जुटाने में बहुत संघर्ष करना पड़ा। प्रदीप ने दिग्विजय सिंह को आदिवासी हितैषी बताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में कई दिग्गज, किसे मिलेगी कुर्सी?

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। मध्यप्रदेश में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की जगह कौन लेगा, इसको लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है। अब प्रदेश में जिला अध्यक्षों के नाम की घोषणा शुरू हो गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि जल्द ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निवार्चन की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है। प्रदेश अध्यक्ष की रेस में पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा, अरविंद भदौरिया, बैतूल से विधायक हेमंत खंडेवलवाल, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और राज्यसभा सदस्य सुमर सिंह सोलंकी के नाम चर्चा में है। भाजपा के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के कार्यकाल को पांच साल हो गए है। उनके नेतृत्व में भाजपा ने प्रदेश में विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत और लोकसभा चुनाव में पहली बार सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज की। अब भाजपा में रायशुमारी के बाद जिला अध्यक्षों की घोषणा शुरू कर दी है। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष के निवार्चन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। वीडी शर्मा को संगठन केंद्र में बड़ी भूमिका दे सकता है। प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग से मुख्यमंत्री के होने के चलते सामान्य या ब्राह्मण वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष बनाने की अटकलें लगाई जा रही है।

आदिवासी चेहरे को भी मिल सकता है मौका

संगठन आदिवासी चेहरे को भी मौका दे सकता है। इसका कारण लंबे समय से आदिवासी नेता को प्रदेश की कमान नहीं सौंपी गई है। एससी वर्ग से सत्यनारायण जटिया

प्रदेश अध्यक्ष बने, लेकिन आदिवासी वर्ग को प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका है। इसका एक कारण जातिगत समीकरण को ध्यान रखते हुए आदिवासी वर्ग को मौका देना भी माना जा रहा है। प्रदेश में ओबीसी वर्ग से मुख्यमंत्री होने के अलावा डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ब्राह्मण और जगदीश देवड़ा एससी वर्ग से आते हैं। वीडी शर्मा सामान्य वर्ग से आते हैं।

फग्गन सिंह कुलस्ते

सात बार के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते इस दौड़ में सबसे मजबूत उम्मीदवार माने जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री रह चुके कुलस्ते को विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद लोकसभा का टिकट दिया गया। भाजपा में कुलस्ते आदिवासियों का बड़ा चेहरा है। ऐसे में एसटी वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए दावेदार माने जा रहे हैं।

सुमेर सिंह सोलंकी

राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी युवा नेता हैं। उनकी आदिवासी समुदाय में अच्छी पकड़ है। वह भाजपा में संघ के करीबी माने जाते हैं। इसलिए उनका नाम भी रेस में है।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा

पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा भी प्रदेश अध्यक्ष के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। उनको महाराष्ट्र चुनाव में अहम जिम्मेदारी दी गई। लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में कई कांग्रेसी नेताओं का उन्होंने भाजपा में शामिल कराया।

अरविंद सिंह भदौरिया

पूर्व मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया क्षत्रिय वर्ग से आते है। ब्राह्मण के बाद क्षत्रिय को मौका देने की चर्चा चल रही है। भदौरिया को केंद्रीय नेतृत्व के कुछ नेताओं का समर्थन भी है।

हेमंत खंडेलवाल

बैतूल से विधायक और पूर्व सांसद हेमंत खंडेलवाल का नाम भी प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में शामिल है। वह प्रदेश संगठन में लंबे समय से काम कर रहे है। संगठन के ही वरिष्ठ नेताओं ने उनका नाम बढ़ाया है। वीडी बोले- अगले दो-तीन दिनों में सभी जिलाध्यक्ष के नाम होंगे सामने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में संगठन पर्व और प्रदेश के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकताओं ने संगठन पर्व को पूरे उत्साह और उमंग के साथ ऐतिहासिक बनाया। पार्टी की संवाद और समन्वय पद्धति के तहत यह प्रक्रिया पूरी हो रही है। शर्मा ने कहा कि दो जिलाध्यक्षों के नाम पहले ही घोषित हो चुके हैं और आज कुछ अन्य जिलों में भी घोषणा की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले दो-तीन दिनों में सभी जिलों के जिलाध्यक्षों के नाम घोषित कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा धार्मिक नगरों में शराबबंदी पर दिए गए बयान का स्वागत करते हुए शर्मा ने इसे एक सराहनीय कदम बताया। शर्मा ने कांग्रेस और उसके नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति की है और हिंदुत्व का विरोध किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीरें गांधी जी और बाबा साहब आंबेडकर से ऊपर लगाकर उनका अपमान किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा गांधी जी और बाबा साहब के विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। संगठन पर्व को लेकर शर्मा ने कहा कि यह पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन है और इसे कार्यकताओं ने पूरे समर्पण और जोश के साथ मनाया।

केंद्र से मध्यप्रदेश को मिली 13582 करोड़ की सौगात

लाड़ली बहना, पेंशन और इन विकास कार्यों को मिलेगा लाभ

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार को केंद्र की मोदी सरकार ने 13582 करोड़ रुपए दिए हैं। यह पैसा राज्यों को दिए जाने वाले 1.73 लाख करोड़ रुपये के हिस्से के रूप में मिला है। इससे राज्य में विकास कार्य से लेकर स्वास्थ्य, समाज कल्याण योजनाओं और शिक्षा को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।केंद्र ने यह पैसा फाइनेंशियल ट्रांसफर के तहत दिया है। केंद्र सरकार नियमित रूप से राज्यों को टैक्स से मिलने वाला पैसा देती है। मध्य प्रदेश सरकार इस पैसे का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे के विकास के लिए करेगी। केंद्र सरकार ने राज्यों को कुल 1.73 लाख करोड़ रुपये बांटे हैं। इसमें मध्यप्रदेश का हिस्सा 13582 करोड़ रुपये है। इस पैसे से विकास कार्यों के लिए बजट का इंतजाम हो सकेगा। इस पैसे से सड़क, हाईवे, फ्लाईओवर, पानी और सीवेज जैसे काम तेजी से होंगे।वहीं लाडली बहना, छात्रवृत्ति और पेंशन जैसी

योजनाओं को भी फायदा होगा। मध्य प्रदेश को मिले 13582 करोड़ रुपये में से ज्यादातर पैसा पूंजीगत खर्चों में इस्तेमाल होगा। इसका मतलब है कि यह पैसा नए बुनियादी ढांचे बनाने और मौजूदा सुविधाओं को बेहतर बनाने में लगेगा।इसके अलावा मध्य प्रदेश सरकार 2026 से 2031 तक केंद्र से मिलने वाले अपने हिस्से को बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए 16वें वित्त आयोग की टीम 6-7 मार्च को मध्य प्रदेश का दौरा करेगी। राज्य सरकार इस टीम के सामने अपनी बात रखेगी। वित्त विभाग ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। 16वां वित्त आयोग यह तय करेगा कि अगले पांच सालों में केंद्र सरकार द्वारा इकट्ठा किए गए टैक्स का कितना हिस्सा हर राज्य को मिलेगा। मध्य प्रदेश सरकार चाहती है कि उसे ज्यादा हिस्सा मिले, ताकि राज्य का और विकास हो सके।

चीनी मांझे से बत्ती हो रही गुल शुरू हुआ 'रोको-टोको अभियान'

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। मकर संक्रांति पर पतंगबाजी से बिजली सप्लाई पर खतरा मंडरा रहा है। एमपी ट्रांसको ने चाइनीज मांझे के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए अभियान शुरू किया है। यह अभियान मध्य प्रदेश के बड़े शहरों में चलाया जा रहा है। इसमें बिजली के तारों के पास पतंगबाजी न करने की सलाह दी जा रही है। एमपी ट्रांसको ने रोको-टोकोअभियान शुरू किया है। इसका मकसद चाइनीज मांझे से होने वाले हादसों को रोकना है। चाइनीज मांझा बहुत खतरनाक होता है। यह बिजली के तारों को काट सकता है। इससे बिजली सप्लाई बंद हो सकती है और लोग हादसों का शिकार हो सकते हैं। एमपी ट्रांसको ने जिला प्रशासन से चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध लगाने की अपील की है। साथ ही, बिजली के तारों वाले इलाकों को संवेदनशील घोषित करने का भी अनुरोध किया है। एमपी ट्रांसको के चीफ इंजीनियर सुनील तिवारी ने बताया कि रोको-टोको अभियान के तहत लोगों को बिजली के तारों के पास पतंग न उड़ाने की चेतावनी दी जा रही है। उन्हें पुराने हादसों के वीडियो और तस्वीरें दिखाई जा रही हैं। ताकि उन्हें समझाया जा सके कि चाइनीज मांझा कितना खतरनाक है।

चीफ इंजीनियर संदीप गायकवाड़ ने भी बताया कि संवेदनशील इलाकों में लोगों से सीधे बातचीत की जा रही है। पोस्टर और बैनर भी लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और बिजली सप्लाई में कोई रुकावट न आए। पिछले साल भोपाल, इंदौर, उज्जैन और धार जैसे शहरों में बिजली सप्लाई बाधित हुई थी। चाइनीज मांझे से पतंग उड़ाने की वजह से बिजली के तार टूट गए थे। कुछ पतंगबाज भी घायल हुए थे। इसलिए एमपी ट्रांसको ने इस साल पहले से ही सावधानी बरतनी शुरू कर दी है। भोपाल में मैनिट के पास के इलाके,मंडीदीप, कलियासोत बांध, डेयरी एस्टेट, गोविंदपुरा, गोविंदपुरा में औद्योगिक क्षेत्र, करोंद, लालघाटी और बैरागढ़ को चिंहित किया गया है। वहीं इंदौर में पत्थर मुंडला, भूसाखेड़ी, इदरीश नगर, शांति नगर और खजराना को मार्क किया गया है। इसके अलावा जबलपुर में पोलीपाथर,शास्त्री नगर, करमेता, अधारताल और कंचनपुर में ध्यान दिया जाएगा। वहीं ग्वालियर में मेला मैदान, चंद्रबदनी नाका, एजी ऑफिस, वसंत विहार और फूल बाग के आसपास ध्यान दिया जा रहा है।

नर्मदा तट महेश्वर में कैबिनेट बैठक करेंगे सीएम डॉ मोहन यादव

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। मोहन यादव कैबिनेट की बैठक इसी माह महेश्वर में होगी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव कैबिनेट के सभी साथियों के साथ यहां बैठक करेंगे और देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में यहां के ऐतिहासिक किले व धार्मिक महत्व वाले स्थानों के विकास को लेकर फैसला लेंगे। बैठक की तारीख गणतंत्र दिवस के पहले या बाद में हो सकती है। इसके पहले मुख्यमंत्री डॉ यादव अपनी पूरी कैबिनेट के साथ रानी दुर्गावती के किले वाले स्थान दमोह जिले के सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक कर चुके हैं। सीएम डॉ मोहन यादव ने देवी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती वर्ष में साल भर कार्यक्रम करने का फैसला किया है। इसी तारतम्य में पिछले दिनों संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में देवी अहिल्याबाई को लेकर कई निर्णय लिए गए थे। अब इसी माह मोहन सरकार खरगोन जिले के महेश्वर में कैबिनेट बैठक करने वाली है। बताया जाता है कि कैबिनेट बैठक की प्रस्तावित तिथि 24 जनवरी है जो गणतंत्र दिवस से दो दिन पहले है। अफसरों के मुताबिक इस तारीख में बदलाव भी हो सकता है पर बैठक इसी महीने होना है, यह तय है। कैबिनेट की मीटिंग 24 को टली तो गणतंत्र दिवस के बाद होगी। इस बैठक में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ महेश्वर किले के पास देवी मां की पूजा अर्चना करेंगे। साथ ही कैबिनेट की बैठक में मां नर्मदा के साथ नदी संरक्षण, पर्यावरण, वन, प्रदूषण से जुड़े प्रस्तावों पर मंथन होगा। कैबिनेट की बैठक प्रस्तावित होने के बाद स्थानीय स्तर पर पुलिस और प्रशासन के अफसरों ने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। कलेक्टर और एसपी महेश्वर का दौरा भी कर चुके हैं।

प्रदेश के कई जिलों में सुबह से छाया कोहरा, 15 तक बूंदाबांदी के आसार

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। मध्यप्रदेश के मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस की एक्टिविटी होने से मौसम का मिजाज बदला है। पिछले 24 घंटे में कई जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई है वहीं सोमवार को सुबह से भोपाल समेत कई जिलों में कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो-तीन दिन प्रदेश में ऐसा ही मौसम बना रहेगा उसके बाद मौसम साफ होगा। मकर संक्रांति यानि 14 जनवरी को मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग में बादल और बूंदाबांदी होने के आसार हैं। वहीं, 15 जनवरी को आधे एमपी में बादल और बूंदाबांदी होने का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर भी

इसमें शामिल हैं। रविवार को बैतूल, दमोह, रीवा, सतना और उमरिया में बारिश हुई। दमोह में सबसे ज्यादा 7 मिमी पानी गिर गया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर समेत कई जिलों में बादल छाए रहे।

दिन के तापमान में आई गिरावट

प्रदेश में दिनभर बादल छाए रहने और ठंडी हवाओं की वजह से दिन के तापमान में गिरावट देखी गई है। रविवार को भोपाल में 5.2 डिग्री की गिरावट के बाद पारा 21.8 डिग्री पर आ गया। यहां सुबह कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी 500 से 1 हजार मीटर तक रही। दूसरी ओर, रात के तापमान में बढ़ोतरी भी देखने को मिली। बैतूल में बूंदाबांदी होने के बाद पारा 23.2 डिग्री पर आ गया। गुना में एक ही दिन में 7.6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। यहां पर अधिकतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ग्वालियर में पारा 20 डिग्री रहा। रविवार सुबह यहां घना कोहरा रहा। विजिबिलिटी 50 से 200 मीटर दर्ज की गई। इंदौर में 22.4 डिग्री, उज्जैन में 22.5 डिग्री और जबलपुर में 20.5 डिग्री रहा।

उमरिया सबसे ठंडा रहा

दिन में उमरिया सबसे ठंडा रहा। प्रदेश में उमरिया सबसे ठंडा रहा। यहां दिन का तापमान 18 डिग्री पहुंच गया। सतना-गुना में 18.2 डिग्री, दमोह में 18.6 डिग्री, पचमढ़ी में 18.8 डिग्री, खजुराहो में 19.6 डिग्री, सिवनी में 19.8 डिग्री, टीकमगढ़ में 20 डिग्री, शिवपुरी में 21 डिग्री, नौगांव में 21.6 डिग्री, नरसिंहपुर में 22 डिग्री, रायसेन में 22.4 डिग्री, नर्मदापुरम में 23.3 डिग्री, सागर में 23.6 डिग्री और धार में 23.7 डिग्री सेल्सियस रहा।उत्तर भारत से बर्फीली हवाओं का भी असर बना हुआ है। रविवार को 260 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से सर्द हवाएं चली। इससे दिन का तापमान लुढ़क गया। हालांकि, रात में थोड़ी राहत है और ज्यादातर शहरों में पारा बढ़ गया है।

आगे ऐसा रहेगा मौसम

14 जनवरी को इंदौर, उज्जैन, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच, गुना, शिवपुरी, अशोकनगर में बादल रहेंगे। कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है। 15 जनवरी को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, हरदा, देवास, सीहोर, शाजापुर, राजगढ़, रायसेन, विदिशा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना और सतना में हल्की बारिश हो सकती है। 16 जनवरी को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी और अशोकनगर में बादल और बूंदाबांदी के आसार है।

सम्पादकीय

बेटियों की शिक्षा और बराबरी की लड़ाई को मिली नई ताकत

अदालत ने छब्बीस वर्ष से अलग रह रहे दंपति के मामले में कहा कि बेटियों को अपने अभिभावकों से शिक्षा संबंधी खर्च मांगने का पूरा अधिकार है और जरूरत पड़ने पर माता-पिता को कानूनी तौर पर बाध्य किया जा सकता है कि वे बेटी की पढ़ाई-लिखाई के लिए जरूरी धन दें। बेटी को ये पैसे रखने का अधिकार है और यह रकम उसे अपनी मां या पिता को लौटाने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ऐसे मामले अकसर देखे जाते रहे हैं जिनमें परिवारों में अगर संपत्ति के बंटवारे की स्थिति आती है तो जितने हिस्से पर बेटों का सहज हक माना जाता है, उतने के लिए बेटियों को अलग से प्रयास करना पड़ता है।

एक सभ्य समाज में बेटे और बेटी के अधिकारों में अंतर का सवाल नहीं उठना चाहिए, लेकिन कई वजहों से जड़ जमा चुके पूर्वाग्रहों की वजह से आमतौर पर बेटियों को कई स्तर पर समझौता करना पड़ता है। ऐसी स्थिति की मुख्य वजह पारंपरिक धारणाओं के प्रति ज्यादातर लोगों की सहजता होती है, जिसमें बेटियां अपने हक के प्रति उदासीन रहती हैं या फिर वंचित रह जाती हैं। फिर किन्हीं कारणों से माता-पिता के अलग हो जाने की स्थिति में भी बेटी की पढ़ाई-लिखाई सिर्फ खर्च पूरा नहीं हो पाने की वजह से बाधित हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक मामले की सुनवाई के बाद इसी मसले पर एक तरह से स्थिति स्पष्ट की है। अदालत ने छब्बीस वर्ष से अलग रह रहे दंपति के मामले में कहा कि बेटियों को अपने अभिभावकों से शिक्षा संबंधी खर्च मांगने का पूरा अधिकार है और जरूरत पड़ने पर माता-पिता को कानूनी तौर पर बाध्य किया जा सकता है कि वे बेटी की पढ़ाई-लिखाई के लिए जरूरी धन दें। बेटी को ये पैसे रखने का अधिकार है और यह रकम उसे अपनी मां या पिता को लौटाने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ऐसे मामले अकसर देखे जाते रहे हैं जिनमें परिवारों में अगर संपत्ति के बंटवारे की स्थिति आती है तो जितने हिस्से पर बेटों का सहज हक माना जाता है, उतने के लिए बेटियों को अलग से प्रयास करना पड़ता है। विडंबना यह है कि अगर किसी परिवार में माता-पिता को शिक्षा पर खर्च के मामले में बेटी या बेटे में से किसी एक को ही चुनने का विकल्प हो तो वे आमतौर पर बेटे को प्राथमिकता देते हैं। अगर कभी बेटी को उनका हिस्सा दिया जाता है तो उसे समाज में विशेष रूप से दी गई सुविधा की दृष्टि से देखा जाता है। जबकि सामाजिक बराबरी के सिद्धांत से लेकर कानूनी स्थिति तक के लिहाज से बेटियों को उनके माता-पिता की संपत्ति में बराबर का हिस्सा होना चाहिए और इसे लेकर लोगों को सहज रहना चाहिए। खासतौर पर पालन-पोषण और पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अन्य जरूरी खर्च के मामले में माता-पिता की आर्थिक सीमा में बेटियों को उनसे अपना खर्च लेने का अधिकार होना चाहिए। इस लिहाज से देखें तो बेटियों के हक के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला स्वागतयोग्य है। इतिहास गवाह है कि लड़कियों को शिक्षा और संपत्ति से लेकर गरिमा से जीने का मानवीय अधिकार भी बहुत देर से मिला। लेकिन आज दुनिया के किसी देश का संविधान यह नहीं कहता कि उनके नियम-कानून जेंडर के हिसाब से अलग-अलग होंगे। सब बराबरी का समर्थन करते हैं। इतना ही नहीं, स्त्रियों के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय की भरपाई के लिए बहुत से देशों ने महिलाओं को नौकरी से लेकर संसद तक में आरक्षण भी दिया। वो कहते हैं न कि बराबरी तब जायज होती है, जब रेस की स्टार्टिंग लाइन बराबर हो। सदियों से चली आ रही औरत और मर्द के बीच की सारी गैरबराबरी गलत है और यह खत्म होनी चाहिए। हमारा जीवन हर दिन एक सुंदर, बेहतर और बराबरी वाली दुनिया बनाने की दिशा में बढ़ा एक कदम है। और यह कदम हर रोज आगे बढ़ रहा है। धीमी गति से ही सही, लेकिन दुनिया रोज बदल रही है। लड़कियां रोज बदल रही हैं और सिर्फ लड़कियां ही नहीं, लड़के भी बदल रहे हैं। आज से महज 26 साल पहले इंडियन आर्मी ने एक महिला को नौकरी से सिर्फ इसलिए बर्खास्त कर दिया था क्योंकि उसने शादी कर ली थी।

कुंभ मेले की पहचान अखाड़ों की उपस्थिति से ही

भारत में अखाड़े न केवल धार्मिक आस्थाओं का प्रतीक हैं, बल्कि ये समाज में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक सद्भाव फैलाने का कार्य भी करते हैं। कुम्भ मेला जैसे आयोजनों में इनकी भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है, जहां ये साधु अपनी तपस्या और साधना के माध्यम से समाज को जागरूक करते हैं और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को संरक्षित करते हैं। चारों कुम्भ स्थलों का प्रशासन अखाड़ा परिषद के सुझावों के अनुसार कुम्भ की सारी व्यवस्थाएं करता है।

प्रयागराज महाकुंभ इन दिनों करोड़ों सनातन धर्मावलम्बियों के लिए आस्था और विदेशियों के लिए भारतीय संस्कृति के प्रति कौतुहल और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। चार स्थानों पर बारी-बारी 12 सालों में कुंभ और महाकुंभ के रूप में आयोजित होने वाले विश्व के इस सबसे मानव जमावड़े और महापर्व विशेष रूप से उन साधुओं के लिए महत्वपूर्ण होता है, जो अखाड़ों के सदस्य होते हैं। इन अखाड़ों का न केवल धार्मिक कर्तव्य है बल्कि ये भारतीय समाज में एकता, शांति और जागरूकता का प्रसार भी करते हैं। दरअसल, सिद्धांत रूप में कुंभ मेला केवल एक धार्मिक महापर्व है जो संगम पर विशेष ग्रहों की स्थिति के अनुसार होता है। इसे बिना अखाड़ों के भी आयोजित किया जा सकता है, लेकिन यह पारंपरिक और सांस्कृतिक रूप से अधूरा माना जाएगा। अखाड़ों की अनुपस्थिति से इसका आकर्षण, आध्यात्मिक महत्व और ऐतिहासिक परंपरा कमजोर हो सकती है, इसलिए कुंभ मेले की पहचान अखाड़ों की उपस्थिति से ही पूरी होती है।अखाड़ा परंपरा की शुरूआत प्राचीन भारतीय संस्कृति में तब से मानी जाती है जब साधुओं और तपस्वियों ने ध्यान और साधना के लिए संगठित रूप से ये केंद्र बनाए। माना जाता है कि अखाड़ा परंपरा महाभारत और रामायण काल से जुड़ी हुई है, तब धर्म, तपस्या और साधना के लिए समर्पित समूहों का अस्तित्व था। परंपरागत रूप से इन अखाड़ों का उद्देश्य साधुओं को एकजुट करना और उन्हें धर्म, योग, और तपस्या के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना था। ऐसी भी मान्यता है कि अखाड़ा व्यवस्था शंकराचार्य द्वारा स्थापित की गई थी जिसका उद्देश्य सनातन धर्म को पुनर्जीवित करना और उसे एक संगठित रूप में प्रस्तुत करना था।

वर्तमान में भारत में 13 प्रमुख अखाड़े हैं, जो कुंभ मेले जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक अखाड़े का अपना विशिष्ट इतिहास, परंपरा और ईष्ट देवता होते हैं, और इनके सदस्य साधना, तपस्या और समाज की सेवा में व्यस्त रहते हैं। इनमें कुछ शैव सन्यासियों के तथा कुछ वैष्णव और अन्य पन्थों के अखाड़े हैं। कुछ समय पहले किन्नर अखाड़ा भी कुंभ में हिस्सा लेने लगा है जिसके प्रमुख स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी हैं। समाज के 13 प्रमुख अखाड़ों का विवरण इस प्रकार है।

निरंजनी अखाड़ा- यह अखाड़ा 826 ईस्वी में गुजरात के मांडवी में स्थापित हुआ माना जाता है। इनके ईष्ट देव भगवान शंकर के पुत्र कार्तिकस्वामी हैं। इनमें दिगम्बर, साधु, महन्त व महामंडलेश्वर होते हैं। इनकी शाखाएं इलाहाबाद, उज्जैन, हरिद्वार, र्तुयंबकेश्वर व उदयपुर में हैं।

जूना अखाड़ा- ऐसी मान्यता है कि यह अखाड़ा 1145 में उत्तराखण्ड के कर्णप्रयाग में स्थापित हुआ। इसे भैरव अखाड़ा भी कहते हैं। इनके ईष्ट देव रुद्रावतार दत्तात्रेय हैं। इसका केंद्र वाराणसी के हनुमान घाट पर माना जाता है। हरिद्वार में मायादेवी मंदिर के पास इनका आश्रम है। इस अखाड़े के नागा साधु माने जाते हैं और वर्तमान में साधू समाज का यही सबसे बड़ा अखाड़ा माना जाता है।

महानिर्वाण अखाड़ा- यह अखाड़ा 681 ईस्वी में स्थापित हुआ माना जाता है। कुछ लोगों का मत है कि इसकी स्थापना बिहार-झारखण्ड के बैजनाथ धाम में हुआ था, जबकि कुछ इसका जन्म स्थान हरिद्वार में नील धारा के पास मानते हैं। इनके ईष्ट देव कपिल महामुनि हैं। इनकी शाखाएं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन, र्तुयंबकेश्वर, ओंकारेश्वर और कनखल में हैं।

अटल अखाड़ा- यह अखाड़ा 569 ईस्वी में गोंडवाना क्षेत्र में स्थापित किया गया बताया जाता है। इनके ईष्ट देव भगवान गणेश हैं। यह सबसे प्राचीन अखाड़ों में से एक माना जाता है। इसकी मुख्य पीठ पाटन में है लेकिन आश्रम कनखल, हरिद्वार, इलाहाबाद, उज्जैन व र्तुयंबकेश्वर में भी हैं।

आह्वान अखाड़ा- माना जाता है कि यह अखाड़ा 646 में स्थापित हुआ और 1603 में पुनसंर्योजित किया गया। इनके ईष्ट देव श्री दत्तात्रेय और श्री गजानन हैं। इस अखाड़े का केंद्र स्थान काशी है। इसका आश्रम ऋषिकेश में भी है।

आनंद अखाड़ा- इस अखाड़े की स्थापना 855 ईस्वी में मध्यप्रदेश के बेरार में मानी जाती है। इसका केंद्र वाराणसी में है। इसकी शाखाएं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन में भी हैं।

पंचाग्नि अखाड़ा- ऐसी मान्यता है कि इस अखाड़े की स्थापना 1136 में हुई थी। इनकी इष्ट देव गायत्री हैं और इनका प्रधान केंद्र काशी है। इनके सदस्यों में चारों पीठ के शंकराचार्य, ब्रहमचारी, साधु व महामंडलेश्वर शामिल हैं। परंपरानुसार इनकी शाखाएं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन व र्तुयंबकेश्वर में हैं।

नागपंथी गोरखनाथ अखाड़ा- गोरखपंथियों के अनुसार यह अखाड़ा ईस्वी 866 में अहिल्या-गोदावरी संगम पर स्थापित हुआ। इनके संस्थापक पीर शिवनाथजी हैं। इनका मुख्य दैवत गोरखनाथ है और इनमें बारह पंथ हैं। यह संप्रदाय योगिनी कौल नाम से प्रसिद्ध है और इनकी र्तुयंबकेश्वर शाखा र्तुयंबकंमठिका नाम से प्रसिद्ध है।

वैष्णव अखाड़ा- यह बालानंद गैर शैव अखाड़ा ईस्वी 1595 में दारागंज में श्री मध्यमुरारी में स्थापित हुआ। समय के साथ इनमें निमोर्ही, निवार्णी, खाकी आदि तीन संप्रदाय बने। इनका अखाड़ा र्तुयंबकेश्वर में मारुति मंदिर के पास था। 1848 तक शाही स्नान र्तुयंबकेश्वर में ही हुआ करता था। परंतु 1848 में शैव व वैष्णव साधुओं में पहले स्नान कौन करे इस मुद्दे पर झगड़े हुए। श्रीमंत पेशवाजी ने यह झगड़ा मिटाया। उस समय उन्होंने र्तुयंबकेश्वर के नजदीक चक्रतीर्था पर स्नान किया।

उदासीन पंचायती बड़ा अखाड़ा- इस संप्रदाय के संस्थापक श्री चंद्रआचार्य उदासीन हैं। इनमें सांप्रदायिक भेद हैं। इनमें उदासीन साधु, मंहत व महामंडलेश्वरों की संख्या ज्यादा है। उनकी शाखाएं शाखा प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, र्तुयंबकेश्वर, भदैनी, कनखल, साहेबगंज, मुलतान, नेपाल व मद्रास में है।

उदासीन नया अखाड़ा- इसे बड़ा उदासीन अखाड़ा के कुछ सांधुओं ने विभक्त होकर स्थापित किया। इनके प्रवर्तक मंहत सुधीरदासजी थे। इनकी शाखाएं प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, र्तुयंबकेश्वर में हैं।

निर्मल पंचायती अखाड़ा- यह अखाड़ा 1784 में अपनी स्थापना मानता है। सन् 1784 में हरिद्वार कुंभ मेले के समय एक बड़ी सभा में विचार विनिमय करके श्री दुर्गासिंह महाराज ने इसकी स्थापना की। इनकी ईष्ट पुस्तक श्री गुरुग्रन्थ साहिब है। इनमें सांप्रदायिक साधु, मंहत व महामंडलेश्वरों की संख्या बहुत है। इनकी शाखाएं प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और र्तुयंबकेश्वर में हैं।

निर्मोही अखाड़ा- निमोर्ही अखाड़े की स्थापना 1720 में रामानंदाचार्य ने की थी। इस अखाड़े के मठ और मंदिर उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात और बिहार में हैं। पुराने समय में इसके अनुयायियों को तीरंदाजी और तलवारबाजी की शिक्षा भी दिलाई जाती थी।

किन्नर अखाड़ा- यह अखाड़ा भारत में एक अनोखा धार्मिक और सामाजिक संगठन है, जो ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों और उनकी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। इसकी स्थापना 2015 में आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने की थी। किन्नर अखाड़ा न केवल ट्रांसजेंडर समुदाय के धार्मिक अधिकारों को मान्यता देने का प्रयास करता है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए भी काम करता है। इसके माध्यम से किन्नर समुदाय सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्तर पर अपनी उपस्थिति और योगदान को सामने लाने का प्रयास करता है।

भारत में अखाड़े न केवल धार्मिक आस्थाओं का प्रतीक हैं, बल्कि ये समाज में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक सद्भाव फैलाने का कार्य भी करते हैं। कुम्भ मेला जैसे आयोजनों में इनकी भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है, जहां ये साधु अपनी तपस्या और साधना के माध्यम से समाज को जागरूक करते हैं और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को संरक्षित करते हैं। चारों कुम्भ स्थलों का प्रशासन अखाड़ा परिषद के सुझावों के अनुसार कुम्भ की सारी व्यवस्थाएं करता है।

पूरी मानव जाति के लिए उल्लास का दिन मकर संक्रांति

संक्रांति का अर्थ है, 'सूर्य का एक राशि से अलगी राशि में संक्रमण (जाना)'। एक संक्रांति से दूसरी संक्रांति के बीच का समय ही सौर मास है। पूरे वर्ष में कुल 12 संक्रांतियां होती हैं। लेकिन इनमें से चार संक्रांति मेष, कर्क, तुला और मकर संक्रांति महत्वपूर्ण हैं। पौष मास में सूर्य का धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश मकर संक्रांति रूप में जाना जाता है। सामान्यतः भारतीय पंचांग पद्धति की समस्त तिथियां चंद्रमा की गति को आधार मानकर निर्धारित की जाती हैं, किंतु मकर संक्रांति को सूर्य की गति से निर्धारित किया जाता है, मकर संक्रांति हिन्दुओं का प्रमुख पर्व है और इसे संपूर्ण भारत और नेपाल के सभी प्रांतों में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। उत्तर भारत में इस पर्व को मकर संक्रांति, पंजाब में लोहडी, गढ़वाल में खिचडी संक्रांति, गुजरात में उत्तरायण, तमिलनाडु में पोंगल, जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति कहते हैं।

सामान्यतः सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, किन्तु कर्क व मकर राशियों में सूर्य का प्रवेश अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह प्रवेश अथवा संक्रमण क्रिया छः-छः माह के अंतराल पर होती है। सर्वविदित है कि पृथ्वी की धुरी 23.5 अंश झुकी होने के कारण सूर्य छः माह पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध के निकट होता है और शेष छः माह दक्षिणी गोलार्द्ध के निकट होता है। मकर संक्रांति से पहले सूर्य दक्षिणी गोलार्ध के निकट होता है अर्थात उत्तरी गोलार्ध से अपेक्षाकृत दूर होता है जिससे उत्तरी गोलार्ध में रातें बड़ी एवं दिन छोटे होते हैं तथा सर्दी का मौसम होता है। किन्तु मकर संक्रांति से सूर्य उत्तरी गोलार्ध की ओर आना शुरू हो जाता है। अतएव इस दिन से उत्तरी गोलार्ध में रातें छोटी एवं दिन बड़े होने लगते हैं तथा सर्दी की ठिठुरन कम होने लगती है। अतः मकर संक्रांति अंधकार की कमी और प्रकाश की वृद्धि की शुरुआत है।

दरअसल, समस्त जीवधारी (पशु-पक्षी व पेड़-पौधे भी) प्रकाश चाहते हैं। संसार सुषुप्ति से जाग्रति की ओर अग्रसर होता है। प्रकाश अधिक होने से प्राणियों की चेतनता एवं कार्य शक्ति में वृद्धि होती है। प्रकाश ज्ञान का प्रतीक है और अन्धकार अज्ञान का।

भारत देश उत्तरी गोलार्ध में स्थित है, इसलिए तमसो मा ज्योतिर्गमय का उद्घोष करने वाली भारतीय संस्कृति में मकर संक्रांति अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतवर्ष के लोग इस दिन सूर्यदेव की आराधना एवं पूजन कर, उसके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हैं।

ध्यान देने योग्य है कि विश्व की 90त्न आबादी पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध में ही निवास करती है अतः मकर संक्रांति पर्व न केवल भारत के लिए बल्कि लगभग पूरी मानव जाति के लिए उल्लास का दिन है। सम्पूर्ण विश्व के सभी उत्सवों में संभवतः मकर संक्रांति ही एकमात्र उत्सव है जो किसी स्थानीय परंपरा, मान्यता, विश्वास या किसी विशेष स्थानीय घटना से संबंधित नहीं है, बल्कि एक खगोलीय घटना, वैश्विक भूगोल और विश्व कल्याण की भावना पर आधारित है और सम्पूर्ण मानवता (उत्तरी गोलार्ध की 90त्न आबादी) को आनंद देने वाला है। कहते हैं कि प्राचीन भारत में भू मध्य रेखा से ऊपर यानी उत्तरी गोलार्ध को भूलोक और भू मध्य रेखा से नीचे यानी दक्षिणी गोलार्ध को पाताल लोक माना जाता था। अतः मकर संक्रांति एक ऐसी खगोलीय घटना है जो सम्पूर्ण भूलोक में नव स्फूर्ति और आनंद का संचार करती है।

मकर संक्रांति न केवल भारत राष्ट्र का बल्कि संपूर्ण मानवता का उत्सव है। यद्यपि मकर संक्रांति सम्पूर्ण मानवता के उल्लास का पर्व है पर इसका उत्सव केवल हिन्दु समाज मनाता है क्योंकि विश्व बंधुत्व, विश्व कल्याण और सर्वे भवन्तु सुखिनः की उदात्त भावना केवल भारतीय संस्कृति की विशेषता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। चूंकि शनि देव मकर राशि के स्वामी हैं, अतः इस दिन को मकर संक्रान्ति के नाम से जाना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, देवताओं के दिन की गणना इस दिन से ही प्रारम्भ होती है। सूर्य जब दक्षिणायन में रहते है तो उस अवधि को देवताओं की रात्रि व उत्तरायण के छः माह को दिन कहा जाता है। दक्षिणायन को नकारात्मकता का प्रतीक तथा उत्तरायण को सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। भगवद् गीता के अध्याय 8 में भगवान कृष्ण कहते हैं कि उत्तरायण के छह माह में देह त्याग करने वाले ब्रह्म गति को प्राप्त होते हैं जबकि और दक्षिणायन के छह माह में देह त्याग करने वाले संसार में वापिस आकर जन्म मृत्यु को प्राप्त होते हैं।

अग्निर्ज्योतिरहः शुक्लः षण्मासा उत्तरायणम्।

तत्र प्रयाता गच्छन्ति ब्रह्म ब्रह्मविदो जनाः ।।

धूमो रात्रिस्तथा कृष्ण षण्मासा दक्षिणायनम्।

तत्र चान्द्रमसं ज्योतियोर्गी प्राप्य निवर्तते ।।

शुक्ल कृष्णे गती ह्येते जगतः शाश्वते मते।

एकया यात्यनावृत्ति मन्ययावर्तते पुनः ।।

यही कारण था कि भीष्म पितामह महाभारत युद्ध समाप्ति के बाद मकर संक्रान्ति की प्रतीक्षा में अपने प्राणों को रोके अपार वेदना सह कर शर-शैया पर पड़े रहे थे। मान्यता यह भी है कि इस दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को प्राप्त करने के लिए व्रत किया था। कहा जाता है कि मकर संक्रान्ति के दिन ही गंगा जी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थी और भगीरथ के पूर्वज महाराज सगर के पुत्रों को मुक्ति प्रदान की थी, इसीलिए आज के दिन बंगाल में गंगासागर तीर्थ में कपिल मुनि के आश्रम पर एक विशाल मेला लगता है जिसके बारे में मान्यता है कि सारे तीरथ बार बार, गंगा सागर एक बार। तीर्थराज प्रयाग में लगने वाले कुम्भ और माघी मेले का पहला स्नान भी इसी दिन होता है। प्रयागराज में एक माह तक चलने वाले कुम्भ मेले में सारे भारत और विदेशों तक से लाखों/करोड़ों हिंदू पहुंचते हैं। तीर्थराज प्रयाग का कुम्भ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है।

मकर संक्रान्ति के दिन गंगा स्नान, सूयोर्पासना व तीर्थ स्थलों पर स्नान दान विशेष पुण्यकारी होता है। ऐसी धारणा है कि इस अवसर पर दिया गया दान सौ गुना बढ़कर पुनः प्राप्त होता है। मकर संक्रान्ति के अवसर पर गंगा स्नान एवं गंगा तट पर दान को अत्यन्त शुभ माना गया है। इस पर्व पर तीर्थ राज प्रयाग एवं गंगा सागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गई है। मकर संक्रांति के दिन तिल का बहुत महत्व है। कहते हैं कि तिल मिश्रित जल से स्नान, तिल के तेल द्वारा शरीर में मालिश, तिल से ही यज्ञ में आहुति, तिल मिश्रित जल का पान, तिल का भोजन इनके प्रयोग से मकर संक्रांति का पुण्य फल प्राप्त होता है और पाप नष्ट हो जाते हैं।

आयुर्वेद में तिल को कफ नाशक, पुष्टिवर्धक और तीव्र असर कारक औषधि के रूप में जाना जाता है। यह स्वभाव से गर्म होता है इसलिए इसे सर्दियों में मिठाई के रूप में खाया जाता है। गजक, रेवड़ियां और लड्डू शीतऋतु में ऊष्मा प्रदान करते हैं।

मकर संक्रांति को अनेक स्थानों पर पतंग महोत्सव मनाए जाते हैं। प्राचीन भारतीय साहित्य में भी पतंग उड़ाने का उल्लेख मिलता है। रामचरित् मानस के बालकाण्ड में श्री राम के पतंग उड़ाने का वर्णन है- राम इक दिन चंग उड़ाई, इन्द्र लोक में पहुंची जाई। बड़ा ही रोचक प्रसंग है। पंपापुर से हनुमान जी को बुलवाया गया था, तब हनुमान जी बाल रूप में थे। जब वे आए, तब मकर संक्रांति का पर्व था, संभवतः इसीलिए भारत के अनेक नगरों में मकर संक्रांति को पतंग उड़ाने की परम्परा है।

यह समय सर्दी का होता है और इस मौसम में सुबह का सूर्य प्रकाश शरीर के लिए स्वास्थ्य वर्धक और त्वचा व हड्डियों के लिए अत्यंत लाभदायक होता है। अतः पतंग उड़ाने का एक उद्देश्य कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना भी है।

हरियाणा और पंजाब में इसे लोहड़ी के रूप में एक दिन पूर्व 13 जनवरी को ही मनाया जाता है। इस दिन अंधेरा होते ही आग जलाकर अग्निदेव की पूजा करते हुए तिल, गुड़, चावल और भुने हुए मक्के की आहुति दी जाती है। इस सामग्री को तिलचौली कहा जाता है। इस अवसर पर लोग मूंगफली, तिल की बनी हुई गजक और रेवड़ियां आपस में बांटकर खुशियां मनाते हैं। बहुएं घर-घर जाकर लोकगीत गाकर लोहड़ी मांगती हैं। नई बहू और नवजात बच्चे के लिए लोहड़ी का विशेष महत्व होता है।

राजस्थान व गुजरात में इस दिन पतंग उड़ाने की परम्परा है। अहमदाबाद में गुजरात पर्यटन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पतंगोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस पर्व पर सुहागन महिलाएं अपनी सास को वायना देकर आशीर्वाद प्राप्त करती हैं, साथ ही महिलाएं किसी भी सौभाग्य सूचक वस्तु का चौदह की संख्या में पूजन एवं संकल्प कर चौदह ब्राह्मणों को दान देती हैं।

उत्तर प्रदेश में यह मुख्य रूप से दान का पर्व है। इलाहाबाद में गंगा, यमुना व सरस्वती की त्रिवेणी चूंकि अब सरस्वती नहीं है, पर प्रत्येक वर्ष एक माह तक माघ मेला लगता है जिसकी शुरूआत मकर संक्रान्ति से होती है। संक्रान्ति के दिन स्नान के बाद दान देने की भी परम्परा है तथा इस दिन खिचड़ी खाने एवं खिचड़ी दान देने का अत्यधिक महत्व होता है।

गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में मकर संक्रांति के पर्व पर खिचड़ी चढ़ाने तड़के से ही जनसैलाब उमड़ पड़ता है। मकर संक्रांति के महापर्व पर लाखों श्रद्धालु गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरक्षनाथ को खिचड़ी (चावल-दाल, उड़द) चढ़ाकर अपनी आस्था व श्रद्धा निवेदित करते हैं। खिचड़ी चढ़ाने के पहले मंदिर में तड़के तीन से चार बजे तक श्रीनाथ जी की विशिष्ट पूजा-आरती होती है। इसके बाद महाप्रसाद से गुरु गोरखनाथ का भोग लगता है। इसके बाद भारत राष्ट्र की सुख समृद्धि की कामना के साथ मंदिर की ओर से शिवावतार बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाते हैं। इसके बाद पहली खिचड़ी नेपाल राज परिवार की ओर से श्रीनाथ जी को अर्पित की जाती है। चार बजते ही मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाते हैं।

बिहार में मकर संक्रान्ति को खिचड़ी नाम से जाता हैं। इस दिन उड़द, चावल, तिल, चिवड़ा, गौ, स्वर्ण, ऊनी वस्त्र, कम्बल आदि दान करने का अपना महत्त्व है। बंगाल में इस पर्व पर गंगा सागर में प्रति वर्ष विशाल मेला लगता है। असम में मकर संक्रान्ति को माघ-बिहू अथवा भोगाली-बिहू के नाम से मनाते हैं। उत्सव का पहला दिन उरुका कहलाता है। रात्रि में सामूहिक भोज होता है जिसमें नए अन्न का प्रयोग करते हैं और तिलपीठा बनाते हैं। मुर्गे और भैंसो के युद्ध आयोजित किये जाते हैं। लोक गीतों व् लोक नृत्यों की धूम होती है। महाराष्ट्र में इस दिन सभी विवाहित महिलाएं अपनी पहली संक्रान्ति पर कपास, तेल व नमक आदि चीजें अन्य सुहागिन महिलाओं को दान करती हैं। लोग एक दूसरे को तिल गुड़ देते हैं और देते समय बोलते हैं -ह्लतिळ गूळ ध्या आणि गोड़ गोड़ बोलाह्व अर्थात् तिल गुड़ लो और मीठा-मीठा बोलो। इस दिन महिलाएं आपस में तिल, गुड़, रोली और हल्दी बांटती हैं। तिल चावल और चीनी को पका कर चाशनी से आभूषण बनाकर बच्चों को भी बांटे जाते हैं।

आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में इस दिन चावल के आटे से आंगन में मग्गू की रचना करते हैं और उसके पास बैठ कर कन्याएं गीत गाती हैं। अगले दिन मौहल्ले में अलाव जला कर लोग एकत्र होते है और लोक गीत व् नृत्य से मनोरंजन करते हैं।

तमिलनाडु में इस त्योहार को एक ऋतु उत्सव पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाते हैं। प्रथम दिन भोगी-पोंगल, द्वितीय दिन सूर्य-पोंगल, तृतीय दिन मट्टू-पोंगल अथवा केनू-पोंगल और चौथे व अन्तिम दिन कन्या-पोंगल। पहले दिन कूड़ा करकट इकट्ठा कर जलाया जाता है, दूसरे दिन सूर्य की पूजा की जाती है। पोंगल मनाने के लिये स्नान करके खुले आंगन में मिट्टी के बर्तन में नई फसल के चावल व गन्ने के रस की पोंगल (खीर) बनाई जाती है। इसके बाद सूर्य देव को नैवैद्य चढ़ाया जाता है। उसके बाद खीर को प्रसाद के रूप में सभी ग्रहण करते हैं।

इस दिन पशुओं को सजाते हैं और तमिलनाडु का प्रसिद्ध खेल जल्लिकट्टु होता है। इस खेल में बैल के सींग पर ईनाम की राशी बांधी जाती है और जो साहसी युवक आक्रामक बैल को साधता है उसे वह राशि दी जाती है। तीसरे दिन पशु धन की पूजा की जाती है। चौथे दिन बेटी और जमाई राजा का विशेष रूप से स्वागत किया जाता है।

इसी तरह कर्नाटक में मकर संक्रांति के दिन तिरुपति बाला जी की यात्रा का समापन होता है। केरल में इस दिन सबरीमाला मंदिर और त्रिचूर के कोडुगलूर देवी मंदिर में भक्तों की भीड़ एकत्र होती है। नेपाल में मकर संक्रान्ति को माघे-संक्रान्ति, सूर्योत्तरायण और थारू समुदाय में माघी कहा जाता है। इस दिन नेपाल सरकार सार्वजनिक छुट्टी देती है। थारू समुदाय का यह सबसे प्रमुख त्योहार है। नेपाल के बाकी समुदाय भी तीर्थस्थल में स्नान करके दान-धर्मादि करते हैं और तिल, घी, शर्करा और कन्दमूल खाकर धूमधाम से मनाते हैं। वे नदियों के संगम पर लाखों की संख्या में नहाने के लिए जाते हैं। तीर्थस्थलों में रूरूधाम (देवघाट) व त्रिवेणी मेला सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। मकर संक्रांति को सम्पूर्ण भारत में मनाया जाता है। यह भारत का राष्ट्रीय पर्व है। पर्व एक है पर इसको मनाने की परम्पराएं अलग-अलग हैं।

धार्मिक टूरिज्म से बढती है क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि- कैलाश विजयवर्गीय

चित्रकूट के प्रगतिरत विकास कार्य एवं समग्र विकास पर परिचर्चा में शामिल हुए प्रभारी मंत्री

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि देश में धार्मिक टूरिज्म काफी तेजी से बढ रहा है। टूरिज्म और तीर्थाटन के बढ़ने से उस क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलते हैं और क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि आती है। प्रभारी मंत्री श्री विजयवर्गीय सोमवार को सतना जिले के चित्रकूट प्रवास के दौरान उद्यमिता परिसर में चित्रकूट के प्रगतिरत विकास कार्य एवं समग्र विकास पर परिचर्चा को सम्बोधित कर रहे थे। चित्रकूट में आयोजित परिचर्चा में नगरीय विकास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद सतना गणेश सिह, विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार, जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा, कुलगुरू चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रो. भरत मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष साधना पटेल, दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव अतुल जैन, सीताशरण जी महराज, कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, सी.ई.ओ. जिला पंचायत संजना जैन, अपर कलेक्टर एवं सी.ई.ओ चित्रकूट विकास प्राधिकरण स्वप्निल वानखड़े, एस.डी.एम. ए.पी. द्विवेदी सहित चित्रकूट के साधू संत, विभिन्न स्वयं सेवी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं सतना जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।प्रभारी मंत्री कैलास विजयवर्गीय ने कहा कि उज्जैन में तीन गुना पर्यटन के बढ़ने से प्रति व्यक्ति आय लगभग दस गुना बढ़ी है। वहीं अयोध्या में धार्मिक पर्यटन बढ़ने से वर्ष भर में करीब 18 करोड़ श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का

आगमन हुआ। चित्रकूट में भगवान श्रीराम का वनवास काल बीता है। धार्मिक और पौराणिक दृष्टि से चित्रकूट में धार्मिक पर्यटन की असीम सम्भावनाएं हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जहां विकास होता है वहां के नागरिकों को सहयोग और त्याग के लिए मानसिकता बनाकर तत्पर रहना चाहिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चित्रकूट के विकास और रामपथगमन के प्रति कटिबद्ध है। चित्रकूट के विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं रहेगी। सरकार जितना भी खर्च होगा करेगी। विकास के लिए यहां के लोगों का सहयोग और सहमति का होना अनिवार्य है। इसके लिए वातावरण भी बनाना होगा। चित्रकूट के विकास का अर्थ यहां के प्रत्येक नागरिक, पुजारी, आश्रम मंदिर सहित क्षेत्र के समग्र विकास से है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट के विकास का प्लान तैयार कर लिया गया है। इस प्रस्ताव पर कोई भी नागरिक, जन प्रतिनिधि अपने महत्वपूर्ण सुझाव इस परिचर्चा के दौरान रख सकते हैं। प्रभारी मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि चित्रकूट के समग्र विकास के कार्य उत्तरप्रदेश सरकार और विभिन्न विभागों के समन्वय से मूर्तरूप दिये जायेगें। चित्रकूट के विकास के दौरान यहां की प्राकृतिक पारम्परिक, सांस्कृतिक परम्परा, ग्रामीण परिवेश और संस्कृति को कायम रखा जाना चाहिए। उन्होनें कहा कि चित्रकूट के स्थानीय निवासियों को अपने शहर को कुछ देने का माइंडसेट बनाना चाहिए। मेरा घर- मेरा आँगन की सकारात्मक सोच के साथ चित्रकूट के विकास में अपने चित्रकूट के लिए सहयोग करना होगा। उन्होने कहा कि धार्मिक स्थल चित्रकूट में बड़ी सोच और चिन्तन के साथ काम करना होगा। धार्मिक स्थलों में पार्किंग और रोड़ कनेक्टविटी की सुविधा भी बढ़ायी जायेगी। आप सब के प्रयासों से आगामी समय में चित्रकूट के विकास पर गर्व हो और वर्ल्ड क्लास सिटी बने ताकि दुनिया के लोग यहां आकर विकसित चित्रकूट को देखें।

सांसद गणेश सिंह ने कहा कि वर्ष 1990 के दशक में चित्रकूट में भारत रत्न नानाजी देशमुख ने यहां आकर ग्राम विकास का मॉडल दिया। रामदर्शन में समग्र दर्शन का प्रतिबिम्ब रखकर चित्रकूट के विकास की गाथा शुरू हुयी। चित्रकूट के विभिन्न स्थानों में प्रभु श्रीराम के वनवास काल के दौरान जुड़े भरतघाट, सती अनुसुइया, प्रमोदवन, कामतानाथ, स्फटिक शिला, हनुमानधारा सहित धार्मिक और पौराणिक महत्व के स्थलों के विकास में पुरातन संस्कृति, प्रकृति और मान्यता को कायम रखते हुए किया जाना चाहिए। अयोध्या से बड़ी संख्या में श्रद्धालु चित्रकूट और मैहर भी जाते हैं। राज्य सरकार ने चित्रकूट के विकास के लिए प्राधिकरण और रामपथगमन के विकास के लिए न्यास भी गठित किया है। चित्रकूट के विकास की रूपरेखा ब्लू प्रिन्ट में 84 कोश परिक्रमा और रामवन यात्रा के प्रमुख स्थलों को शामिल किया गया है। उन्होनें बताया कि रामायणम परिसर के लिए 20 एकड़ भूमि का चिन्हांकन किया गया है। यहां श्रीराम के जीवन चरित्र को सचित्र प्रदर्शित किया जा सकता है। विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार ने कहा कि धार्मिक नगरी चित्रकूट के विकास और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता उत्तम होनी चाहिए। इसके लिए तकनीकी अमले की वृद्धि की जा सकती है। निर्माण कार्य दक्ष और सुयोग्य एजेंसी से कराए जाने की आवश्यकता है। विधायक ने कहा कि जंगल धरती का आभूषण है। रजौला मोड़ से लेकर गुप्त गोदावरी तक और पहाड़ी मार्गों पर दोनो ओर सघन वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। प्रमुख सड़कों पर पाथवे और सड़क के किनारे वृक्ष लगाने की जगह छोड़नी चाहिए। उन्होने कहा कि चित्रकूट में शासकीय भूमि को अतिक्रमण से बचाना भी आवश्यक है।

अमन के नेतृत्व में रीवा संभाग के इंफ्लूंसर ने भोपाल में किया मुख्यमंत्री से संवाद

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, मुख्यमंत्री निवास में आयोजित विवेकानंद युवा शक्ति मिशन संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा प्रदेश भर के शोशल मीडिया इंफ्ल्यूएंसर को आमंत्रित किया गया था जिसमे रीवा संभाग का नेतृत्व सतना के रहने वाले अमन मिश्रा उर्फ़ जुगाड़ू अमन जो हमेशा कलाकारों को अपने अनोखे अन्दाज़ से नये अवसर देते रहते है । अमन बताते है इस संवाद कार्यक्रम में रीवा संभाग से 22 शोशल मीडिया इंफ्ल्यूएंसर को शामिल होने का मौक़ा मिला और रीवा संभाग से लोकगीत गायिका मान्या पांडेय एवं अभिषेक मिश्रा ने मुख्यमंत्री से संवाद किया ।श्री मिश्रा ने स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन के शुभारंभ एवं आमंत्रण के लिए

रीवा संभाग की तरफ़ से मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया ।अमन ने बताया इस संवाद कार्यक्रम में रीवा संभाग से फ़िल्म एक्ट्रेस अंजलि पायसी , बघेली कलाकार शैलू शर्मा ,बघेली कलाकार रच्चू कुशवाहा , कॉलेज ब्रेस के नाम से चर्चित इंफ्लूंसर विशाल एवं कृतिका , अर्पिता सिंह ,अमृता पटेल , विकास चतुर्वेदी , सौरभ शुक्ला , आशीष द्विवेदी अमन चौरसिया ,शिव शर्मा , रवि कुशवाहा , चाहना कुशवाहा, केजी बुनकर ,सूरज गुप्ता ,अंकित मिश्रा,सूरज शुक्ला ,विपिन सिंह सहित अन्य शामिल हुए ।

रायसेन को हराकर डायमंड रॉक बालाघाट बना चैंपियन

43वीं अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह स्मृति अखिल भारतीय फुटबाल प्रतियोगिता का हुआ रंगारंग समापन समारोह

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, मध्य प्रदेश शासन की नगरीय निकाय कि राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के मुख्य अतिथि, कुंवर अभय सिंह रोली भैया की अध्यक्षता एवं मुंबई होलसेल होजरी मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मोतीमणि सिंह जी के विशिष्ट अतिथि सहित नगर परिषद कोठी की अध्यक्ष श्रीमती सुखवंती बाई बुनकर, हर्षवर्धन सिंह राजा बहादुर कोठी के साथ-साथ नगर एवं आसपास के गणमान्य नागरिकों एवं हजारों हजार खेल प्रेमी दर्शकों की मौजूदगी में कोठी के अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह खेल मैदान में 43वीं अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह स्मृति अखिल भारतीय फुटबाल प्रतियोगिता का रंगारंग समापन समारोह आयोजित हुआ जिसमें बालाघाट की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए रायसेन की टीम को एक गोल से मैच हराकर फाइनल मुकाबला पर कब्जा कर ट्राफी अपने नाम की, आज के मैच में दोनों ही टीमों ने बहुत ही अच्छे खेल का प्रदर्शन किया और मैच के पहले हाफ के खेल में दोनों टीमों ने गोल रहित बराबरी तक मैच खेला परंतु मैच के दूसरे हाफ के खेल में मैच समाप्त होने के आखिरी 10 मिनट पहले एक छोटी डी के पास मिले फाउल को रेफरी महोदय द्वारा पेनल्टी करार दे दिया गया जिससे बालाघाट की टीम के जैक्सन शर्मा ने गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दी और वह मैच समाप्त होने तक कायम रहा जिससे डायमंड रॉक बालाघाट की टीम ने रायसेन की टीम पर एक गोल से विजय प्राप्त कर ली और ट्रॉफी पर कब्जा किया हालांकि रायसेन की टीम ने भी बहुत अच्छे खेल का प्रदर्शन किया और लगातार गोल करने का प्रयास किया परंतु डिफेंस एवं सशक्त गोल कीपर होने से गोल में परिवर्तित नहीं कर

सके और टूर्नामेंट में उपविजेता रहकर उनको संतोष करना पड़ा आज मैदान चारों ओर दर्शकों से खचाखच भरा रहा यहां तक की मैदान की दीवारों एवं आसपास के छतो से भी लोगों ने मैच का आनंद उठाया, जमकर दर्शकों ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की और उत्साह वर्धन किया इसके उपरांत मैच समाप्ति पर समारोह पूर्वक आयोजन किया गया अतिथियों द्वारा रणमत सिंह की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया और उद्बोधन में सफल आयोजन करने पर आयोजन समिति एवं सभी सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार जताया, विजेता टीम बालाघाट को 31000 रुपए नगद राशि के साथ निर्भय कप प्रदान किया गया एवं उपविजेता टीम रायसेन को ?25000 के साथ हीरा कप प्रदान किया गया मैन ऑफ द मैच रणमत क्लब के बेस्ट खिलाड़ी रहे स्वर्गीय ईश्वर प्रताप सिंह की स्मृति में बालाघाट के आज के मैच के स्कोरर रहे जैक्सन शर्मा को प्रदान किया गया, साथ ही मैन ऑफ द सीरीज एवं बेस्ट गोलकीपर तथा बेस्ट डिफेंडर का भी पुरस्कार दिया गया साथ ही अन्य नगद राशि भी प्रदान की गई बेस्ट हूटर अवार्ड स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे स्वर्गीय राम लला उरमलिया जी की स्मृति में प्रदान किया गयाआयोजन समिति द्वारा प्रतियोगिता में सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों को पुरस्कारित किया गया एवं इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण कर बैच लगाते हुए रणमत क्लब के अध्यक्ष विपिन सिंह सचिव नलिनेंद्र मिश्र डब्बू एवं उनके सभी सहयोगी सदस्यों द्वारा किया गया एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए संत क्लैरेंट स्कूल के बच्चों द्वारा मनमोहक बैंड बाजा की प्रस्तुति दी गई जिससे उन्हें समिति एवं नगर के अन्य लोगों द्वारा भी पुरस्कारित किया गया आज के मैच का आंखों देखा हाल कमलेश पाठक एवं आयुष सोनी द्वारा बताया गया अजय सिंह राजा एवं धर्मेंद्र सोनी ने स्कोरर की भूमिका निभाई सचिव द्वारा प्रतिवेदन उपरांत मसाल जलाने की प्रक्रिया पूरी कर ध्वजअवतरण किया गया जो सह सचिव द्वारा मुख्य अतिथि को प्रदान किया गया जिसको मुख्य अतिथि ने सुरक्षित अगले साल की प्रतियोगिता के लिए आयोजन समिति के सचिव को दिया गया इस दौरान हजारों हजार क्षेत्रीय खेल प्रेमी जनता गवाही रही

भाजपा सरकार मैहर में अपनी जवाबदेही तय करने में विफल - पुष्पेंद्र सिंह

विवेकानंद महाविद्यालय के भवन में कब्जा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ मैहर, आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मैहर को जिला बने एक वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अब तक न तो जिला कलेक्टर कार्यालय, न ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण हुआ है। उन्होंने सरकार पर जनता के मुद्दों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि विवेकानंद जयंती पर करोड़ों रुपये के विज्ञापन देने वाली भाजपा सरकार शिक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को व्यवस्थित करने में पूरी तरह विफल रही है।पुष्पेंद्र सिंह ने मैहर के विवेकानंद महाविद्यालय में प्रशासनिक कब्जे को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने महाविद्यालय के प्राचार्य से

मुलाकात कर भवन के उपयोग को लेकर कई सवाल पूछे, जिनका समाधान प्राचार्य भी नहीं दे सके। सिंह ने स्पष्ट किया कि दोष अधिकारियों का नहीं, बल्कि सरकार की नीतियों और फंड की कमी का है, जिसके कारण महाविद्यालय के भवन को प्रशासनिक उपयोग में लिया गया है।उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद और अन्य महापुरुषों ने शिक्षा को सर्वोपरि रखा है, लेकिन भाजपा सरकार शिक्षा को बाधित कर रही है। पुष्पेंद्र सिंह ने मांग की कि कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक कार्यालय समेत अन्य प्रशासनिक कार्यालयों के लिए संयुक्त भवन बनाया जाए ताकि जनता को सुचारु सेवाएं मिल सकें और विवेकानंद महाविद्यालय का भवन छात्रों के लिए खाली कराया जाए।आखिर में उन्होंने कहा कि जनता के वोट से चुनी गई सरकार को जनता की भावनाओं और जरूरतों का सम्मान करना चाहिए, वरना जनता आने वाले चुनावों में इसका उचित जवाब देगी।

विद्युत बचत होने के साथ ही सरकारी व्यय में आएगी कमी एवं होगा पर्यावरणीय संरक्षण - डीएम मनीष बंसल

सभी विभाग यथाशीघ्र उपलब्ध कराएं सूचनाएं – जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशानुसार जनपद के समस्त सरकारी एवं अर्द्धसरकारी भवनों पर अनिवार्य रूप से सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किये जाने की दिशा में बेहतर कार्य किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप 49 भवनों पर 758 किलोवॉट का रूफटॉप सोलर प्लांट लगाया जा चुका हैं। आगामी 02 माह में 52 भवनों पर कैपैक्स मोड एवं 14 भवनों पर रेस्कों मोड पर सोलर संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने में आवश्यक कार्यवाही को यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापना से जहां एक ओर सरकारी व्यय में कमी आएगी वंही दूसरी ओर पर्यावरणीय संरक्षण भी होगा। विद्युत बचत होने के साथ ही कार्बन उत्सर्जन कम होगा। सुरक्षा बढने के साथ ही विभाग अधिक उत्पादन पर आय अर्जन भी कर सकेंगे। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने ग्राम पंचायत, शिक्षा, नगर निकायों, गन्ना, आबकारी, सम्भागीय परिवहन कार्यालय, उ0प्र0 परिवहन निगम की सूचनाएं अप्राप्त होने पर सख्त निर्देश दिए, कि यथाशीघ्र सूचनाएं पीओ नेडा कार्यालय को उपलब्ध करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा इस कार्य हेतु दिसम्बर 2025 निर्धारित किया गया है लेकिन जनपद को निर्धारित समय से पूर्व ही सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने में संतृप्त कर लिया जाएगा। उन्होने बताया कि सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने हेतु 02 प्रकार के विकल्प उपलब्ध है। प्रथम विकल्प के रूप में विभाग अपने बजटीय संसाधन से सोलर रूफटॉप संयंत्र कैपेक्स मोड में स्थापित कर सकते हैं। द्वितीय विकल्प के रूप में विभाग द्वारा रेस्को मोड़ के माध्यम से सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाया जा सकता है। कैपेक्स मोड के अन्तर्गत जिन भवनों को सोलराइजेशन किया जाना शेष है, उन भवनों में प्रति किलोवॉट सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना हेतु लगभग 9 वर्ग मीटर फिजिबल रूफटॉप एरिया आवश्यक होता है तथा इसके अनुसार भवन के स्वीकृत कुल विद्युत भार के समतुल्य अथवा कम क्षमता के संयंत्र की स्थापना करायी जा सकती है। कैपेक्स मोड़ में संयंत्र स्थापना हेतु आ रहे वित्तीय व्यय को पूर्ण वहन सम्बन्धित विभाग द्वारा किया जायेगा। रेस्कों मोड में विभाग को सोलर रूफटॉप अपने सरकारी भवन पर लगाने में कोई वित्तीय व्यय वहन नहीं कराना पड़ेगा। इसका सम्पूर्ण कैपिटल व्यय यूपीनेडा द्वारा इम्पैनलड वेण्डर द्वारा वहन किया जाएगा। सरकारी बिल्ड्गि का न्यूनतम लोड़ 25 कि0वा0 एवं अधिकतक लोड 2000 कि0वा0 होना चाहिए। रेस्कों मोड में सोलर रूफटॉप से उत्पादित विद्युत का टैरिफ एवं उपभोग की हुई विद्युत के आधार पर मासिक बिल रेस्को डेवलपर को देय होगा। यूपीनेडा द्वारा 25 कि0वा0 से 200 कि0वा0 तक 4.90 रूपये प्रति यूनिट एवं 200 कि0वा0 से अधिक 2000 कि0वा0 तक 4.85 रूपये प्रति यूनिट देय होगा। टैरिफ विद्युत विभाग के टैरिफ से काफी कम है। रेस्को मोड में सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाना विभागों के लिए वित्तीय बचत के साथ साथ पर्यावरण सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। समस्त सरकारी एवं अर्द्वसरकारी भवनों पर नेट मीटिरिंग की सुविधा अनुमन्य है। जिससे अधिक सौर बिजली उत्पादन होने की दशा में इसे ग्रिड में संग्रहीत/बेची जा सकती है, जिसकों बिजली विभाग क्रय करेगा। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि जनपद के समस्त विभागाध्यक्षों को सरकारी एवं अर्द्धसरकारी भवनों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराये जाने के संबंध में निर्धारित प्रारूप पर सूचना उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये, जिसके परिप्रेक्ष्य में संबंधित विभागों द्वारा निर्धारित प्रारूप पर विषयगत प्रकरण के संबंध में सूचना एवं प्रस्ताव यूपीनेडा को उपलब्ध करायी गयी। कैपेक्स मोड़ के अन्तर्गत निर्गत कार्यादेश के अनुसार आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 26 किलोवॉट ऑफग्रिड, तहसील नकुड़ में 10 किलोवॉट ऑनग्रिड, आईटीआई देवबन्द एवं सरसावा में 40-40 किलोवॉट ऑनग्रिड, विकासखण्ड बलियाखेडी में 02 किलोवॉट ऑनग्रिड, विकासखण्ड गंगोह में 02 किलोवॉट ऑनग्रिड,

विकासखण्ड नकुड़ में 04 किलोवॉट ऑनग्रिड, विकासखण्ड रामपुर मनिहारान में 04 किलोवॉट ऑनग्रिड, विकासखण्ड सरसावा में 05 किलोवॉट ऑनग्रिड के कार्यादेश निर्गत कर दिए गये है। रेस्कों मोड के अन्तर्गत जिला महिला चिकित्सालय, 100 बिस्तर एमसीएच विंग 205 किलोवॉट ऑनग्रिड, जिला चिकित्सालय में 375 किलोवॉट ऑनग्रिड एवं राजकीय मेडिकल कॉलेज में 1000 किलोवॉट ऑनग्रिड स्थापित कर दिया गया है। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि कैपैक्स मोड में जनपद में स्थित 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 222.5 किलोवॉट, अधिशासी अभियन्ता, अपर खण्ड पूर्वी यमुना नहर के 05 भवन 35 किलोवाट, लोक निर्माण विभाग निरीक्षण भवन 10 किलोवॉट, माध्यमिक विद्यालय 25 भवन 180 किलोवॉट, राजकीय दृष्टिबाधित बालिका विद्यालय, रामपुर मनिहारान 15 किलोवॉट, पंचायत भवन 25 किलोवॉट, उपश्रमायुक्त, कार्यालय 07 किलोवॉट, अधिशासी अभियंता नलकूप खण्ड सहारनपुर 03 किलोवॉट, प्रभागीय वनाधिकारी 05 भवन 13 किलोवॉट, भूमि संरक्षण अधिकारी सहारनपुर 04 किलोवॉट का प्रस्ताव प्राप्त कर यूपीनेडा को प्रेषित कर दिया गया है। रैस्को मोड में जनपद में स्थित 11 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 590 किलोवॉट, लोक निर्माण विभाग में 50 किलोवॉट एवं तहसील बेहट में 31 किलोवॉट के प्रस्ताव प्राप्त हुए है।

सहारनपुर जनपद में नो हेलमेट नो फ्यूल रणनीति लागू

26 जनवरी के बाद बिना हेलमेट के नहीं मिलेगा पैट्रोल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशानुसार जनपद में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा हेलमेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नो हेलमेट, नो फ्यूल की रणनीति लागू कर दी गयी है। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि सभी मोटर साइकिल चालकों एवं सवारियों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बी0आई0एस0) द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रोटेक्टिव हेड गियर हेलमेट पहनना अनिवार्य है। इन प्राविधानों का उल्लंघन केन्द्रीय

मोटर यान अधिनियम के तहत दण्डनीय है, जिसमें जुर्माने का प्राविधान है।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनपद में स्थित समस्त पेट्रोल पम्प संचालकों एवं स्वामियों को निर्देश दिये जाते हैं कि आगामी 07 दिवसों में अपने प्रांगण में इस आशय के बड़े-बड़े होर्डिंग लगायेंगे कि 26 जनवरी 2025 से किसी भी दशा में ऐसे दो पहिया वाहन चालक को पेट्रोल का विक्रय नहीं किया जायेगा, जिसके चालक तथा सहयात्री ने हेलमेट नहीं पहना हो। सभी पेट्रोल पम्प संचालक एवं स्वामी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उनके प्रतिष्ठान में सी0सी0टी0वी0 कैमरा सदैव सक्रिय रहे ताकि किसी भी विवाद की स्थिति में सी0सी0टी0वी0 फुटेज का अवलोकन कर आवश्यक निर्णय लिया जा सके।

बसंत कराटे एकेडमी के खिलाड़ियों ने पांच पदक जीतकर अपनी एकेडमी का नाम किया रोशन

गौरव सिंघल । सिटी चीफसहारनपुर । देवबंद, बसंत कराटे एकेडमी के खिलाड़ियों ने पांच पदक जीतकर अपनी एकेडमी का नाम रोशन किया है। सिंहान बसंत उपाध्याय ने बताया कि हावड़ा में हुई तीसरी इनविटेशनल कराटे चैंपियनशिप में निशु प्रजापति, अफान गुर्जर व कार्तिके शर्मा ने अपनी- अपनी कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता है। इस मौके पर इन खिलाड़ियों को मेडल व सर्टिफिकेट देकर सेंसेई अमित कुमार साह व शिहान रंजन दे ने सम्मानित किया। निशु प्रजापति व कार्तिकेय शर्मा को तीन-तीन हजार रुपए कैश देकर भी सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ में दो मंत्रियों के साथ महिलाओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शनों ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी

राजीव खरे । सिटी चीफ
रायपुर, श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे विरोध कर रही महिलाओं से कहते हैं, ज्यादा हेकड़ी में रहोगी तो बाहर फेंकवा देंगे। यह घटना कोरबा जिले की है, जहां फ्लोरा मैक्स कंपनी की धोखाधड़ी से पीड़ित महिलाएं अपने बैंक लोन माफी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही थीं। ग़ौरतलब है कि फ्लोरा मैक्स कंपनी ने महिलाओं को व्यवसाय के लिए बैंक लोन दिलवाया था, लेकिन बाद में कंपनी ने किस्तें भरना बंद कर दिया और करोड़ों रुपये लेकर फरार हो गई। अब बैंक लोन की वसूली के लिए महिलाओं को नोटिस भेज रहे हैं, जिससे परेशान महिलाएं लोन माफी की मांग कर रही हैं। इसी प्रकार कुछ दिन पूर्व, कृषि मंत्री रामविचार नेताम को भी कोरबा जिले में महिलाओं के विरोध का सामना करना पड़ा। लगभग 500 महिलाओं ने उनके काफिले को रोककर फ्लोरा मैक्स कंपनी के खिलाफ कार्रवाई और अपने लोन माफी की मांग की। मंत्री नेताम ने महिलाओं से कहा, नेतागिरी करने से काम नहीं बनेगा, और उन्हें कानून अपने हाथ में न लेने की सलाह दी। चुनावों के दौरान जनप्रतिनिधि जनता की सेवा का वादा करते हैं, लेकिन पद प्राप्ति के बाद कई बार वे जनता की समस्याओं की उपेक्षा करते हैं। इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि जनता की वास्तविक समस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता में कमी है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है इन घटनाओं के बाद राज्य की राजनीति में हलचल मच गई है। विपक्षी दलों ने मंत्रियों के व्यवहार की निंदा करते हुए सरकार से स्पष्टीकरण की मांग की है। वहीं, सोशल मीडिया पर भी मंत्रियों के इस रवैये की आलोचना हो रही है।

महापौर पद के लिए प्रीति उपाध्याय शुक्ला की प्रबल दावेदारी

जनता में अच्छी छवि और जीत की संभावना प्रबल

राजीव खरे । सिटी चीफ
रायपुर, प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव एवं प्रदेश प्रवक्ता प्रीति उपाध्याय शुक्ला ने रायपुर के महापौर पद के लिए अपनी विधिवत दावेदारी पेश कर दी है। इस दिशा में उन्होंने रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे को आवेदन देकर अपनी उम्मीदवारी को औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया है। श्रीमती शुक्ला इन दिनों दिल्ली में हैं और कांग्रेस के आलाकमान से मुलाकात कर महापौर पद के टिकट के लिए जोर लगा रही हैं। प्रीति शुक्ला को एक पढ़ी-लिखी, व्यवहारकुशल और मेहनती लीडर के रूप में जाना जाता है। जनता के बीच उनकी छवि बहुत अच्छी है, और उनके मजबूत राजनीतिक अनुभव के कारण उनकी दावेदारी को कांग्रेस के भीतर और बाहर, दोनों ही जगह गंभीरता से लिया जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि उन्हें कांग्रेस से महापौर पद का टिकट मिलता है, तो उनकी जीत की संभावना काफी प्रबल है। महापौर पद के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत करने के साथ ही प्रीति उपाध्याय शुक्ला ने रायपुर नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में सघन दौरा शुरू कर दिया है। वे जनता से सीधे संवाद कर रही हैं और उनका आशीर्वाद ले रही हैं। स्थानीय स्तर पर उनकी सक्रियता और उनकी मेहनत को लेकर जनता में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

दिल्ली प्रवास के दौरान श्रीमती शुक्ला ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें राष्ट्रीय मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा शामिल हैं, से मुलाकात की। इन बैठकों में उन्होंने खुद को महापौर पद के लिए एक योग्य और मजबूत उम्मीदवार बताया। उन्होंने अपनी राजनीतिक निष्ठा, अनुभव और महिला नेतृत्व की जरूरत को रेखांकित करते हुए पार्टी से अपनी दावेदारी का समर्थन मांगा। श्रीमती शुक्ला ने कहा कि उनके पति कुणाल शुक्ला, जो कांग्रेस से लंबे समय से जुड़े हुए हैं और आरटीआई एक्टिविस्ट के तौर पर अपनी सक्रियता के लिए जाने जाते हैं, ने कई महत्वपूर्ण मामलों को उजागर किया है। इससे कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिली है और जनता के बीच पार्टी का आधार बढ़ा है। उनका कहना है कि कांग्रेस के प्रति उनकी निष्ठा और उनके परिवार के योगदान को देखते हुए पार्टी को महापौर पद के लिए उन्हें चुनना चाहिए। प्रीति उपाध्याय शुक्ला ने इस बात पर जोर दिया कि रायपुर में महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने का यह सही समय है। उन्होंने कहा, एक महिला उम्मीदवार के रूप में मुझे मौका दिया जाना चाहिए ताकि रायपुर की महिलाओं को प्रतिनिधित्व का अवसर मिल सके और कांग्रेस पार्टी महिलाओं के सशक्तिकरण का संदेश दे सके। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि महापौर पद के लिए कांग्रेस की ओर से सबसे मजबूत और योग्य उम्मीदवार के रूप में प्रीति उपाध्याय शुक्ला का नाम सामने आ रहा है। उनका शैक्षणिक और राजनीतिक अनुभव, जनता से जुड़ाव, और उनकी मेहनत इस दावेदारी को और मजबूत बनाती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस आलाकमान उनकी इस दावेदारी पर क्या फैसला लेता है। भाजपा से भी संभवत: एक महिला ही महापौर के पद की उम्मीदवार होगी इसलिए यदि श्रीमती प्रीति को पार्टी से टिकट मिलता है, तो रायपुर के महापौर चुनाव में यह एक महत्वपूर्ण मुकाबला होगा।

कलेक्टर द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली

झाबुआ - कलेक्टर नेहा मीना द्वारा सोमवार को कलेक्टर सभा कक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन 181 पोर्टल पर दर्ज लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सीएम हेल्पलाइन में बॉटम 10 के खराब प्रदर्शन वाले अधिकारियों को नोटिस दिए जाने के निर्देश के साथ ही अभियान चलाकर निराकरण के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत 100 दिवस से अधिक के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने के निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों का निराकरण जल्द से जल्द किया जाकर संबंधित बीईओ व संकुल प्राचार्य को नोटिस दिए जाने के निर्देश दिए। जिला परिवहन अधिकारी को विभाग अंतर्गत लंबित प्रकरणों को संतुष्टि पूर्वक निराकरण कराए जाने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत एल 1 स्तर पर लंबित नॉन अटेंडेंड शिकायतों वाले विभागों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसी के साथ ही कहा कि सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत लंबित प्रकरणों को संवेदनशीलता के साथ संतुष्टिपूर्वक बंद कराए। कलेक्टर द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों की ई के वाय सी की जानकारी प्राप्त की। जिले में कुल 64 हजार 77 पेंशनर हैं जिनमें से 58 हजार 325 हितग्राहियों का ई केवायसी पूर्ण हो चुका हैं तथा 5 हजार 752 हितग्राहियों का ई केवायसी शेष हैं। इस प्रकार कुल 91.02 प्रतिशत हितग्राहियों का ई केवायसी पूर्ण हो चुका हैं। इस संबंध में संबंधित अधिकारी को शत प्रतिशत ई केवायसी कराए जाने के निर्देश दिए। समाधान ऑनलाइन वी सी में चयनित विषयों की लंबित शिकायतों जिनमें प्रधानमंत्री मातृ वंदना, नल जल योजना, मनरेगा अंतर्गत किए गए कार्य की मजदूरी का भुगतान और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना की शिकायतों को संतुष्टि पूर्वक निराकरण कराए जाने के निर्देश दिए। इसी के साथ ही मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर की प्रगति की समीक्षा कर प्रकरणों को प्रतिदिन मॉनिटरिंग कर प्रगति लाने के निर्देश दिए। जाति प्रमाण पत्र विशेष अभियान अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर प्रकरणों को जल्द से जल्द निराकरण कराए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में सीएम जनकल्याण अभियान की समीक्षा की व कहा कि संबंधित प्रकरणों में पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ अवश्य मिले । कोई भी व्यक्ति अकारण अपात्र ना हो पाए इसका विशेष धन रखा जाए। इसी के साथ ही राजस्व महाअभियान अंतर्गत नक्शा तरमीम, आधार से खसरे की आर ओ आर लिंकिंग, पी एम किसान स्वामित्व आदि से

संबंधित प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए।स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर लंबित प्रकरणों को निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। आनन्द विभाग के द्वारा 14 जनवरी से 28 जनवरी 2025 के मध्य 卐आनन्द उत्सव卐 पर विभिन्न स्ट्रेस मैनेजमेंट वर्कशॉप, मोटिवेशनल स्पीकर एवं विभिन्न गतिविधियों के सुचारू क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, संयुक्त कलेक्टर अक्षय सिंह मरकाम, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव के मद्देनज़र भाजपा ने बनाई प्रांतीय समिति

सौरभ सिंह को बनाया संयोजक

राजीव खरे । सिटी चीफ
रायपुर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर अपनी प्रदेश समिति की घोषणा कर दी है। इस समिति का संयोजक सौरभ सिंह को बनाया गया है, जो पार्टी के प्रमुख रणनीतिकारों में से एक माने जाते हैं। भाजपा ने इस बार समिति में 19 सदस्यों को शामिल किया है, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों और समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है। भाजपा की इस प्रदेश समिति के संयोजक सौरभ सिंह बनाए गए हैं। 19 सदस्यीय इस समिति में भरत लाल वर्मा, जगन्नाथ पाणिग्राही, राजा पांडेय, अखिलेश सोनी, नीलकण्ठ टेकाम, निरंजन सिन्हा, ललित चन्द्राकर, शालिनी राजपूत, आशाराम नेताम, अलका चन्द्राकर, सतीश लाटिया, रामकुमार भट्ट, दीपक म्हस्के, डॉ. किरण बघेल, वैभव बैस, अनुराग अग्रवाल, सुनील पिल्लई, आकाश विग को समिति का सदस्य बनाया गया है। भाजपा ने इस समिति के माध्यम से पंचायत चुनावों में पार्टी की रणनीति और प्रचार अभियान को मजबूती देने का प्रयास किया है। समिति में अनुभवी और युवा नेताओं का समावेश किया गया है, जो जमीनी स्तर पर पार्टी की पहुंच को और मजबूत करेंगे। इस घोषणा के बाद सौरभ सिंह ने कहा कि समिति सभी सदस्यों के साथ मिलकर पंचायत चुनावों को लेकर एक स्पष्ट और मजबूत रणनीति तैयार करेगी। भाजपा के सूत्रों के अनुसार, यह समिति चुनाव प्रचार, उम्मीदवार चयन, और क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान पर विशेष ध्यान देगी भाजपा का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करना और विकास के एजेंडे को प्राथमिकता देना है। इस दिशा में यह समिति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सेवकराम चौबे बने बलाई समाज के जिला महासचिव

खरगोन

कसरावद - जय बलाई समाज युवा शक्ति संगठन के पदाधिकारीयों की बैठक हुई! जिसमें वरिष्ठ पत्रकार सेवकराम चौबे को जय बलाई समाज खरगोन का जिला महासचिव नियुक्त किया गया साथ ही उनके जन्मदिन के अवसर पर पुष्पमाला पहनाकर केक काटा गया और सभी सभी साथियों ने स्वस्थ जीवन की कामना की। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा, संगठन के संरक्षक प्रदीप साकले, संस्थापक सचिन गोयल, बलाई समाज खरगोन के जिलाध्यक्ष रविन्द्र खाण्डेकर सहित सैकड़ो की संख्या में बलाई समाज के समाजजन मौजूद रहें! चौबे के जिला महासचिव बनने पर सम्पूर्ण जिले के बलाई समाज के लोगों ने सुभकामनाये दी! साथ ही चौबे ने समाज को सम्बोधित करते हुए बताया की संगठन ने मुझे जिलेस्तर की जिम्मेदारी सौपी हें जिसे में पूर्ण निष्ठा के साथ निभाने का प्रयत्न करूँगा व समाज के उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहूँगा! बैठक में कसरावद जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश बागदरे, अनुराग कडोले, राजू वासुरे, विशाल पाटोदें, संजय गांगले, संतोष खाण्डेकर विनय खाण्डेकर, सुमित खाण्डेकर सहित समाजजन मौजूद रहें!

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पद संचलन

धार

लाबरिया देशभर में हिंदू समाज जागरण हेतु संघ द्वारा ग्राम स्तर पर संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा एक जुट होकर अपना बल प्रदर्शन व एकता से ग्रामीण जन में हिंदू समाज एक संदेश देते हैं कि हम सनातनी समाज को एकजुट सा रहना चाहिए वह समय-समय पर एकता का प्रतीक देता रहना चाहिए ऐसा ही ग्राम लाबरिया में 12 जनवरी 2025 को एक विशाल संख्या में पद संचलन संगीत मय तरीके से ग्राम व नगर में भ्रमण किया गया! जिसमें ग्रामीणों में एक नई ऊर्जा व हिंदुत्व की एक नई मिशाल जागेगी वह ग्रामीणों में चर्चा का विषय बना हुआ है इस संचालन में प्रदेश के कार्यकर्ता ,प्रांत के व जिला स्तर के सहित खंड स्तर तक के सभी कार्यकर्ता अपनी संपूर्ण गणवेश में सम्मिलित रहे।

ताले चाबी ठीक करने के बहाने चुरा ले गए सोने चांदी के आभूषण

ग्राम बामंदा में दिनदहाड़े चोरी की वारदात

खरगोन कसरावद तहसील के ग्राम बामंदा क्षेत्र में चोरों के हौंसले बुलंद है। गांव में गली-गली घूम ताला-चाबी रिपेयर करने के बहाने चोर एक घर से सोने चांदी के कीमती आभूषण ले उड़े। शनिवार दोपहर ग्राम बामंदा में बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। ताले चाबी ठीक करने के बहाने गाँव मे फेरी लगा रहे दो युवकों ने एक घर से अलमारी में रखे कीमती गहनों पर हाथ साफ कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को गांव में दो युवक गांव में ताले चाबी ठीक करने को लेकर फेरी लगा रहे थे। पहले बामंदी गांव में घूमे जिसके बाद बामंदा गांव में दोनों युवक घूम रहे थे। दोपहर के समय एक घर से महिला ने आवाज लगाकर बताया कि गोदरेज अलमारी का ताला ठीक करवाना है। जिसके बाद युवकों ने घर के अंदर रखी गोदरेज के ताले को ठीक करना शुरू किया । कुछ देर बाद महिला को पीने के लिए पानी लाने का बोला। जब महिला पानी लाने अंदर गई तब तक बदमाशो ने गोदरेज के अंदर की और मौजूद लाकर में रखे सारे के सारे गहने गायब कर दिए। फिर महिला को ताला ठीक नही होने का कहकर वहाँ से चले गए। जब कुछ देर बाद महिला ने लॉकर खोला तब पता चला कि चोरी हो गई है। जिसके बाद शाम को बलकवाड़ा थाने पर जाकर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। बताया गया कि घटना के समय घर पर महिला और उनकी सास अकेली थी , घर के पुरुष काम पर गए हुए थे। बामंदी बस स्टैंड पर रुककर चाय पी . बामंदी गांव में कुछ लोगो ने बताया कि शनिवार के दिन ताले चाबी ठीक करने वाले गांव में फेरी लगा रहे थे। दो युवक जो लाल पट्टे वाली डीलक्स गाड़ी से दिन के समय गांव के प्रमुख बाजार में आकर रुके और एक होटल पर दोनों ने चाय भी पी। ग्राम बामंदा की निवासी महिला ने बलकवाड़ा पुलिस थाने में सूचना दी कि शनिवार दोपहर में और मेरी सास घर पर थे, मेरे पति प्रमोद ग्राम रूपखेड़ा में काम से गए थे। करीब 12 बजकर 30 मिनट पर मेरे घर के सामने अलमारी का लाकर सुधारने वाले दो व्यक्ति लॉकर सुधार लो कि आवाज देते हुए आए। लॉकर सुधारने वालो को घर बुलाया और अलमारी का खराब लॉकर बताया। सुधारने के दौरान उन्होंने पीने के लिए दो गिलाश पानी मांगा। मेने पानी लाकर दिया फिर पानी पीकर वो बोले कि अलमारी के लाकर में चाबी नही बैठ रही है हम हार्डवेयर की दुकान से सामान लेकर आधे घंटे में आते है। लेकिन वह करीब एक घंटे तक नही आए तब मैंने अलमारी का लॉकर खोलकर देखा तो उसमें रखी मेरी सोने की एक जोड़ झुमकी , एक अंगूठी, एक पेंडल और एक जोड़ चाँदी की पायल गायब थी। मेने तुरंत अपने पति को फोन लगाकर बुलाया । पति ने चोरों को बामंदी और बामंदा गांव में तलाश किया ,लेकिन वो नही मिले। सतर्क रहें सुरक्षित रहे . बलकवाड़ा टी आई रितेश यादव ने कहा किसी भी अनजान व्यक्ति को घर में प्रवेश न दे। अनजान लोगो से आइडी प्रूफ और मोबाइल नंबर जरूर लें। इस तरह के रिपेयरिंग के कार्य के दौरान अज्ञात लोगों को अकेला न छोड़े। यदि अनजान व्यक्ति के पास ये चीजें उपलब्ध नहीं है तो उन्हें घर में प्रवेश करने से रोके। आप सतर्क हैं तो चोरी की वारदातों से बच सकते हैं। फिलहाल केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

प्रयागराज कुम्भ में लगेगी भगवान परशुराम की प्रतिमा ओर प्रदर्शनी

झाबुआ

01 लाख 08 हजार छोटी मूर्ती ओर परशुराम चालीसा का भी होगा वितरण

राष्ट्रीय परशुराम परिषद के नेतृत्व मे जुटेंगे देशभर के ब्राह्मण, पंडित जेमिनी शुक्ल के मुखारविंद से होगी शिव परशुराम चरित्रमृत कथा

सकल विश्व के ब्राह्मणों के आदर्श, गुरू ,पूर्वज भगवान परशुराम जी है। ओर इस बार उत्तरप्रदेश प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ में भगवान परशुराम को लेकर राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा प्रयागराज महाकुंभ में भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसमे देश भर के ब्राह्मण शामिल,होंगे ।

लगेगी प्रदर्शनी राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा प्रयागराज महाकुंभ में भगवान परशुराम से जुड़े हुए जन्मस्थली कर्मस्थली ज्ञानस्थली और युद्ध स्थल इत्यादि का चलचित्रों द्वारा प्रदर्शनी एवं 144 वर्षों बाद आ रहे इस महाकुंभ में परिषद पूरे भारत के प्रत्येक राज्यों से संत महात्माओं ऋषि मुनियों

इत्यादि बुद्धिजीवियों को सादर आमंत्रित कर रहा है जिसमें देश भर के ब्राह्मण एकत्रित होकर कुंभ में डुबकी लगाएंगे साथ ही राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा कई धार्मिक एवं भारतीय संस्कृति को मजबूत करने के लिए कई आयोजन किए जाएंगे जिसमें कई संतों का समागम होगा संतों का सम्मेलन , ब्राह्मणों का सम्मेलन होगा।

परशुराम ओर शिव महापुराण कथा का होगा आयोजन साथ ही इस अयोजन के साथ ही गुजरात दाहोद क्षेत्र के प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य पंडित जैमिनी शुक्ल के मुखारविंद से 15 से 17 जनवरी दोपहर 2 से 06 बजे तक दो दिवसीय शिव परशुराम चरित्रमृत कथा एवं शिव महापुराण कथा का आयोजन भी किया जा रहा है।

धूमधाम से होगा आयोजन एवं भगवान परशुराम की शोभायात्रा भी निकल जाएगी इसको लेकर कैप्टन राज द्विवेदी प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय परशुराम परिषद मध्य प्रदेश के नेतृत्व में प्रदेश की टीम द्वारा वीडियो कांफ्रेंस कर एक बैठक की गई जिसमें परशुराम परिषद के सभी पदाधिकारी मौजूद थे साथ ही राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश शासन श्री पंडित सुनील भारद्वाज भराला संस्थापक संरक्षक राष्ट्रीय परशुराम परिषद एवं श्री पंडित कैप्टन राज द्विवेदी प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय परशुरामपुर से द्वारा सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों को को मार्ग दर्शन दिया

बनेगी परशुराम जी की 51 फिट की मूर्ति इस भव्य आयोजन की कड़ी में दाहोद के आचार्य जैमिन शुक्ल द्वारा शिव पुराण महा आयोजन प्रयागराज में राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा अनुमति प्रदान कर दी गई है जिसको लेकर द्विवेदी जी ने बात रखी और सभी ने उसकी सहमति प्रदान कर दी है इस महाकुंभ में परशुराम जी की 51 फीट की प्रतिमा बनाई जाएगी % एवं जो भी भक्त वहां पर दर्शन करने एवं डुबकी लगाने जाएंगे उनको राष्ट्रीय परशुराम परिषद प्रांगण में समस्त श्रद्धालुओं को निशुल्क परशुराम चालीसा एवं परशुराम जी की 01 लाख 08 हजार छोटी मूर्ति घर-घर में पूजन हेतु दी जाएगी ! एवम इसी के साथ ही राष्ट्रीय परशुराम परिषद दिल्ली के द्वारा करीब 01 लाख 08 हजार परशुराम चालीसा का भी वितरण किया जाना तय किया गया है ।

लेवे धर्म लाभ राष्ट्रीय परशुराम परिषद के प्रदेश अध्यक्ष पंडित कैप्टन राज द्विवेदी ने प्रदेश के समस्त सनातन धर्मियों को महाकुंभ में डुबकी लगाने एवम आचार्य पंडित जेमिनी शुक्ल के मुखारविंद से हो रही कथा को श्रवण कर पुण्य लाभ लेने हेतु आमंत्रित किया है एवं सभी समाज जन आकर इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की है!

संविधान प्रतियोगिता मनीषा प्रथम, भेरुलाल द्वितीय कुमकुम तीसरे स्थान पर

उज्जैन

मध्य प्रदेश शासन द्वारा मेरा संविधान मेरा स्वाभिमान योजना के अंतर्गत सभी स्कूलों में विद्यार्थियों से भाषण प्रतियोगिता और निबंध प्रतियोगिता कराई जा रही है इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों में संविधान का बोध हो सके और वह अपने कर्तव्य का पालन कर सके इसके लिए इस अभियान को विद्यार्थियों से जोड़ा गया है । शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आक्या जागीर में भी इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पाटीदार थे । अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह सोलंकी ने की । विशेष अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य मोहनलाल धाकड़,

किसान मोर्चा महामंत्री नानालाल बंबोरिया, भाजपा मंडल पूर्व उपाध्यक्ष प्रह्लाद बंबोरिया थे । इस आयोजन में भाषण प्रतियोगिता में प्रथम मनीषा गाजी आक्याजागीर, द्वितीय भेरूलाल अटोलिया चापाखेड़ा, तृतीय कुमकुम शर्मा चापाखेड़ा रही । वही निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कृष्णपाल राजपूत चापाखेड़ा, द्वितीय भारती गाजी आक्या जागीर, तृतीय ज्योति परमार चंदोडीया रही । अतिथियों द्वारा सभी प्रतिभा छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में अतिथि आभार विद्यालय प्रभारी प्राचार्य निधि पांडे ने माना । कार्यक्रम का संचालन अमृतलाल मकवाना ने किया ने किया । इस अवसर पर आक्या जागीर चापाखेड़ा, और चदोडिया विद्यालय के शिक्षक मौजूद थे ।

चाइनीज मांझे पर प्रशासन सख्त.... पतंग दुकानों पर की गई जांच

खरगोन

कसरावद - मकर संक्रांति नजदीक है ऐसे में दुकानदारों के द्वारा चोरी छुपे प्रतिबंधत चाइना डोर को लेकर कसरावद नगर में मकर संक्रांति के पहले प्रशासन और पुलिस चाइनीस माझे को लेकर एक्शन में है। नगर परिषद एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को नगर के बाजारों में पतंग की दुकानों पर जांच की। टीम को चाइनीस मांझा तो नहीं मिला लेकिन पुलिस प्रशासन एवं नगर परिषद ने इन दुकानदारों को चाईनीज मांझा नहीं बेचने की समझाइश भी दी है। चाइनीस मांझा से दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह कार्रवाई की है प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि बाजार में अलग-अलग पतंग दुकानों की जांच की। दुकानदारों को स्पष्ट रूप से यह समझा दिया है कि वह चीनी एवं प्रतिबंधित धागा पतंग उड़ाने के लिए नहीं बेचे प्रतिबंधित धागा बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उप निरीक्षक महेश यादव , आशीष पटेल, सहित नगर परिषद के कर्मचारी एवं पुलिस जवान मौजूद रहे ।

शासकीय योजनाओं के लिये ऋण वितरण शिविर का हुआ आयोजन

138 प्रकरणों में 04 करोड़ 75 लाख 81 हजार रुपये का ऋण वितरित किया

खरगोन कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के निर्देशानसुार जिला पंचायत सीईओ श्री आकाश सिंह के नेतृत्व में 13 जनवरी को जनपद पंचायत सभाग्रह भीकनगांव में ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान समस्त शासकीय योजनाओं के विभाग के अधिकारी तथा पात्र हितग्राहियों से बैंकर्स का सीधा संवाद स्थापित किया

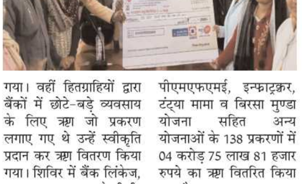

गया। वहीं हितग्राहियों द्वारा बैंकों में छोटे-बड़े व्यवसाय के लिए ऋण जो प्रकरण लगाए गए थे उन्हें स्वीकृति प्रदान कर ऋण वितरण किया गया। शिविर में बैंक लिंकेज, मुद्रा ऋण, केसीसी, पीएमएफएमई, इन्फ्राट्रक्र, टंट्या मामा व बिरसा मुण्डा योजना सहित अन्य योजनाओं के 138 प्रकरणों में 04 करोड़ 75 लाख 81 हजार रुपये का ऋण वितरित किया गया है।

शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधि जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री दिनेश जायसवाल, जनपद सदस्य श्री शांतिलाल मुकाती, जनपद पंचायत से श्री सतीश यादव, ब्लॉक प्रबंधक श्री महेश पटेल, सुश्री वंदना पाटीदार, श्रीमती अनिता ईस्केच, सहा. विकासखण्ड प्रबंधक एवं समस्त बैंक सखी म.प्र.डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखण्ड भीकनगांव, अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ इण्डिया श्री सुमेर सिंह सोलंकी, जिला प्रबंधक सूक्ष्म वित्त श्री किरण कठाने उपस्थित थे।

तबाही की आग में सुलग रहा लॉस एंजिल्स

अमेरिकी कैदियों की लग गई मौज ! कर रहे मोटी कमाई

अमेरिका में कैलिफोर्निया और लॉस एंजिल्स के जंगलों में भयानक आग ने तबाही मचा रखी है। अब तक इस आग से 24 लोगों की मौत हो चुकी है, 12,000 से ज्यादा इमारतें राख हो चुकी हैं, और .135 बिलियन (लगभग ?11 लाख करोड़) का भारी नुकसान हुआ है। बर्फीली ते I हवाओं ने इस आग को और फैलाने का काम किया है। इस बीच अमेरिका के कैदियों की मौज लग गई है वे मोटी कमाई कर रहे हैं।दरअसल, हालात पर काबू पाने के लिए प्रशासन ने जेल के कैदियों को राहत कार्य में शामिल किया है। लॉस एंजिल्स और कैलिफोर्निया जेल विभाग ने आग बुझाने के लिए कैदियों को खास प्रस्ताव दिया है जिसके तहत हर दिन राहत कार्य में मदद करने वाले कैदियों की 2 दिन की सजा माफ की जाएगी। उन्हें प्रतिदिन 5.80 से .10.24 तक की मजदूरी मिलेगी। आपातकालीन स्थिति में प्रति घंटे .1 अतिरिक्त दिया जाएगा। सहायक कार्य करने वाले कैदियों को 1 दिन काम करने पर 1 दिन की सजा माफ की जाएगी। %सीएनएन% की रिपोर्ट के मुताबिक, लॉस एंजिल्स की जेल में बंद 900 से ज्यादा कैदी इस अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। ये कैदी दिन-रात राहत कार्य में जुटे हैं। उनका काम फायर लाइन काटना, कंटेनमेंट लाइन खोदना और आग को फैलने से रोकने के लिए ईंधन को कम करना है। कैलिफोर्निया की इस भीषण आग से अब तक 26 लोगों की मौत हो चुकी है। 12,000 से अधिक इमारतें जलकर खाक हो गई हैं और .135 बिलियन का भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। यह योजना न केवल आग बुझाने में मददगार साबित हो रही है, बल्कि कैदियों के लिए भी उम्मीद की किरण बन गई है। उन्हें अपनी सजा कम कराने के साथ-साथ पैसे कमाने और जीवन को सुधारने का अनोखा मौका मिल रहा है।

राजद की राजनीति परिवारवाद झूठ और भ्रष्टाचार पर आधारित

दिलीप जायसवाल का लालू की पार्टी पर करारा हमला

पटना. बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एवं राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने विपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर करारा हमला करते हुए कहा कि ये दल केवल झूठ, भ्रांति और नकारात्मक राजनीति की नींव पर टिके हुए हैं।

राजद और उसके सहयोगी दलों का एकमात्र एजेंडा विकास में बाधा डालना

डॉ. जायसवाल ने सोमवार को कहा कि बिहार की जनता ने इन दलों की विफलताओं को बार-बार नकारा है लेकिन फिर भी ये जनता को गुमराह करने की कोशिश करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि राजद और उसके सहयोगी दलों का एकमात्र एजेंडा विकास में बाधा डालना और बिहार को पीछे धकेलना है, जबकि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ राय के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राजद के नेता की ओर से भाजपा पर लगाए गए 'दोहरा चरित्र के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राजद के नेताओं पास न तो बिहार के विकास के लिए कोई दृष्टिकोण है और न ही अपने शासनकाल की विफलताओं का जवाब। ऐसे में भाजपा पर इस प्रकार के झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाना, उनकी हताशा और राजनीतिक दिवालियापन को दर्शाता है।

राजद की राजनीति केवल परिवारवाद और भ्रष्टाचार के ईद-गिर्द घूमती है

डॉ. जायसवाल ने कहा, राजद नेता को पहले अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए, जिन्होंने बिहार को भ्रष्टाचार, अपराध और जंगलराज में झोंक दिया, वे आज भाजपा पर सवाल उठाने की स्थिति में नहीं हैं। भाजपा के कार्यकर्ता और नेता जनसेवा और सुशासन के लिए समर्पित हैं, जबकि राजद की राजनीति केवल परिवारवाद और भ्रष्टाचार के ईद-गिर्द घूमती है। दोहरा चरित्र तो उस राजद का है,जो एक तरफ सामाजिक न्याय की बात करता है, लेकिन अपने ही शासनकाल में दलितों, पिछड़ों और गरीबों पर अत्याचार की अनगिनत कहानियां लिखता है। भाजपा ने हमेशा समाज के हर वर्ग के विकास के लिए काम किया है और यह हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

भाजपा की राजनीति पारदर्शिता, सुशासन और विकास पर आधारित

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की राजनीति पारदर्शिता, सुशासन और विकास पर आधारित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजद के नेताओं के झूठे आरोपों का बिहार की जनता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। राजद के लोगों को चाहिए कि वे अपनी असफलताओं का ठीकरा भाजपा पर फोड़ने की बजाय राय की जनता से माफी मांगें, जिनका उन्होंने और उनकी पार्टी ने वर्षों तक शोषण किया है। भाजपा हर हाल में जनता के हित में काम करती रहेगी और विकास की इस यात्रा को तेज गति से आगे बढ़ाएगी।

रोंगटे खड़े करने वाला खुलासा

ब्रिटेन ने की 165 मिलियन भारतीयों का हत्या, भारत की अरबों-खरबों डॉलर की संपत्ति भी लूटी

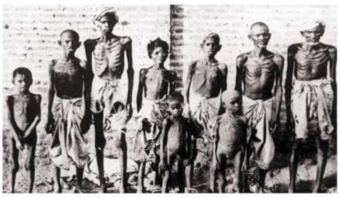

इंटरनेशनल डेस्क. एक अध्ययन में ब्रिटेन की काली करतूतों का रोंगटे खड़े करने वाला खुलासा हुआ है। ब्रिटिश उपनिवेशवाद 1880 से 1920 के बीच भारत में लगभग 165 मिलियन मौतों का कारण बना, और इसने भारत से खरबों डॉलर की संपत्ति भी लूटी। एक प्रमुख अध्ययन में सामने आया यह आंकड़ा ब्रिटिश उपनिवेशवाद के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई भयंकर मानव त्रासदी को दर्शाता है। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि यूरोपीय साम्राज्यवादी नरसंहारों ने *Adolf Hitler* और *Benito Mussolini* जैसे फासीवादी नेताओं को प्रेरित किया, जिनके शासन में भी इसी प्रकार के नरसंहार किए गए। आर्थिक मानवशास्त्री जेसन हिकल और उनके सहलेखक डायलन सुलेवान ने कैपिटलि म और अत्यधिक गरीबी नामक एक शोध पत्र में यह निष्कर्ष निकाला कि ब्रिटिश साम्राज्य ने भारत में अपने शासन के दौरान लगभग 165 मिलियन अतिरिक्त मौतें करवाईं। यह आंकड़ा ना ी होलोकॉस्ट सहित दोनों विश्व युद्धों की मृतकों की संख्या से भी कहीं अधिक है। इन शोधकर्ताओं ने अपनी रिपोर्ट में यह उल्लेख किया कि भारतीय जीवन प्रत्याशा 1950 तक ब्रिटिश उपनिवेशवाद के प्रभाव से ठीक से बढ़ी भी नहीं। भारत में उपनिवेशी शासन के दौरान भुखमरी, गरीबी और मृत्यु दर में भयंकर वृद्धि हुई। 1810 में जहां भारत में 23त्न लोग गरीब थे, वहीं 20वीं सदी के मध्य तक यह आंकड़ा 50त्न से ऊपर पहुंच गया। इसके अलावा, वास्तविक मजदूरी में गिरावट और अकालों की आवृत्ति में भी वृद्धि हुई। ब्रिटिश साम्राज्य के शासन का यह समय (1880 से 1920) भारत के लिए सबसे काला दौर था। इन वर्षों में भारत में मृत्यु दर काफी बढ़ी, और जीवन प्रत्याशा में गिरावट आई। 1880 में भारतीयों की मृत्यु दर 37.2 प्रति 1,000 थी, जबकि 1910 के दशक में यह बढ़कर 44.2 प्रति 1,000 हो गई। इसी अवधि के दौरान भारतीय जीवन प्रत्याशा 26.7 वर्ष से घटकर 21.9 वर्ष रह गई। ब्रिटिश उपनिवेशी शासन के दौरान भारत में न केवल मृत्यु दर में वृद्धि हुई, बल्कि ब्रिटिश सरकार ने जानबूझकर कई बार भोजन की कमी पैदा की, जिससे अकाल और भुखमरी की स्थिति बनी। 1943 में बंगाल में हुए अकाल ने 30 लाख से ज्यादा भारतीयों की जान ले ली। ब्रिटिश सरकार ने खाद्यान्न का निर्यात जारी रखा और भारतीयों को खाद्य आपूर्ति से वंचित किया। यह अकाल पूरी तरह से ब्रिटिश नीतियों के कारण हुआ, खासकर ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल के आदेशों के बाद। चर्चिल खुद भारतीयों से घृणा करते थे और उन्होंने एक बार कहा था, मैं भारतीयों से नफरत करता हूं, वे एक घिनौने लोग हैं। उपनिवेशवाद के दौरान ब्रिटिश साम्राज्य ने भारत से अरबों डॉलर की संपत्ति लूटी। भारतीय अर्थशास्त्री उषा पट्नायक ने अनुमान लगाया है कि ब्रिटिश साम्राज्य ने भारत से 45 ट्रिलियन की संपत्ति लूटी। यह लूट मुख्य रूप से व्यापार और औद्योगिकीकरण के दौरान हुई, जब भारतीय संसाधनों का शोषण कर ब्रिटेन में समृद्धि का निर्माण हुआ। इस लूट के कारण भारत में विकास की गति ठप हो गई, और जनता की जीवन स्तर में गिरावट आई। ब्रिटिश साम्राज्य के नरसंहारों ने सीधे तौर पर हिटलर और मुसोलिनी जैसे फासीवादी नेताओं को प्रेरित किया। ये नेता यूरोपीय साम्राज्यवादी और उपनिवेशवादी विचारधाराओं से प्रभावित थे। यह देखा गया कि यूरोप में हुए साम्राज्यवादी अपराधों ने फासीवाद को जन्म दिया और इन नेताओं ने अपने देशों में भी बड़े पैमाने पर हिंसा और नरसंहार किए।

शराब पीकर पहुंचा दुल्हा, लड़की की मां ने वापिस लौटाई बारात

नेशनल डेस्क. बेंगलुरु से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा है, जहां एक मां ने अपनी बेटी की शादी के बीच में ही बारात को वापस लौटा दिया। इस घटना की वजह जानकर हर कोई मां के फैसले की तारीफ कर रहा है।

शादी के दिन दूल्हे ने अपने दोस्तों के साथ जमकर शराब पी। नशे में धुत दूल्हा और उसके दोस्त लड़की वालों के साथ गलत व्यवहार करने लगे। उनकी बदतमीजी से माहौल बिगड़ गया और लड़की के परिवार वालों को अपमानित महसूस हुआ। यह सब देखकर दुल्हन की मां ने तुरंत बारात को वापस भेजने का बड़ा फैसला लिया।

मां ने क्यों लिया ये सख्त फैसला?

वायरल वीडियो के मुताबिक, दुल्हन की मां ने दूल्हे और उसके परिवार से हाथ जोड़कर कहा- अभी से अगर ऐसे तेवर हैं, तो मेरी बेटी का भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा? मां को इस बात की चिंता थी कि अगर शादी के बाद भी ऐसा व्यवहार जारी रहा, तो उनकी बेटी का जीवन मुश्किलों से भर जाएगा। इसी कारण उन्होंने शादी तोड़ने का साहसिक फैसला लिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दुल्हन की मां को दूल्हे और उसके परिवार से विनम्रता से यह कहते हुए देखा जा सकता है कि वे बारात वापस ले जाएं। उनका यह कदम सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। लोग मां की तारीफ कर रहे हैं कि उन्होंने अपनी बेटी की खुशी और सम्मान के लिए इतना बड़ा फैसला लिया।

लोगों की प्रतिक्रियाएं

एक यूजर ने लिखा- यह मां का सही फैसला था। बेटी की खुशी से बढ़कर कुछ नहीं। दूसरे ने कहा- शराब और बदतमीजी शादी के पहले ही दिन, ऐसे रिश्ते का टूटना ही बेहतर है।

मां का फैसला बना प्रेरणा

इस घटना ने यह साबित किया कि बेटियों के भविष्य और उनकी खुशियों के लिए माता-पिता को ऐसे सख्त फैसले लेने से पीछे नहीं हटना चाहिए। यह कहानी हर माता-पिता के लिए एक प्रेरणा है कि रिश्ते से ज्यादा जरूरी अपनी बेटी की इज्जत और सुरक्षा है।

सेना ने गलती से जनता पर की एयरस्ट्राइक 16 लोगों की हुई मौत

नेशनल डेस्क. नाइजीरिया के जम्फारा राज्य में रविवार को सेना द्वारा गलती से की गई एयरस्ट्राइक में 16 नागरिकों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। सेना का यह हमला ुर्मी और मारादुन इलाकों में हुआ, जहां स्थानीय लोगों को डाकू गिरोह समझ लिया गया। इस त्रासदी ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है।

इस हादसे में घायल हुए लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सेना लंबे समय से जम्फारा राज्य में सक्रिय डाकू गिरोहों के खिलाफ अभियान चला रही है। ये गिरोह गाँवों में हमला करके लूटपाट, आगजनी और लोगों के अपहरण जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। शनिवार को भी डाकुओं ने डांगेबे गांव पर हमला कर जानवरों को लूट लिया था। डाकुओं के बढ़ते हमलों से परेशान होकर स्थानीय लोग खुद की सुरक्षा के लिए हथियारों के साथ डाकुओं का मुकाबला कर रहे हैं। रविवार को जब ुर्मी और मारादुन में कुछ लोग डाकुओं को खदेड़ने की कोशिश कर रहे थे, तो सेना के पायलट ने गलती से उन्हें डाकू समझ लिया और एयरस्ट्राइक कर दी।

जांच के आदेश

नाइजीरियाई वायुसेना ने इस त्रासदी की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच होगी और इस गलती की जिम्मेदारी तय की जाएगी। जम्फारा राज्य में डाकुओं और सेना के बीच जारी संघर्ष से हालात पहले ही तनावपूर्ण हैं। इस घटना ने न केवल सेना की रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा पर भी गंभीर चिंता जताई है।

ताइवान की जासूसी के लिए गिरोहों और फर्जी कंपनियों के साथ काम कर रहा चीन

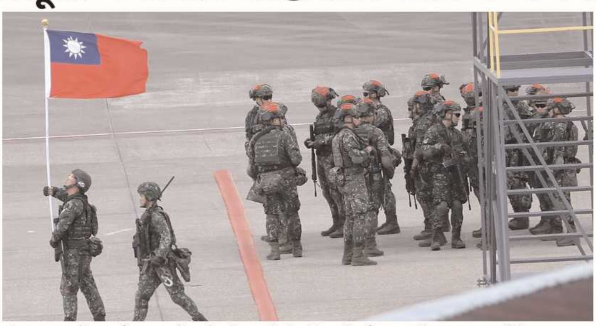

इंटरनेशनल डेस्क. ताइवान के खुफिया ब्यूरो का कहना है कि चीन की मुख्य जासूसी एजेंसी ताइवान की सुरक्षा से जुड़ी खुफिया जानकारी हासिल करने के लिए आपराधिक गिरोहों, शेल (फर्जी) कंपनियों और अन्य संदिग्ध साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रही है, जिसके कारण द्वीप पर कथित जासूसी के आरोप में गिरफ्तार लोगों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है।

इसमें कहा गया है कि वर्तमान और सेवानिवृत्त ताइवानी सैन्यकर्मी विशेष चिंता का विषय हैं, जिनकी संख्या पिछले साल मुकदमे का सामना करने वाले कुल कथित जासूसों की संख्या (64) के लगभग आधे के बराबर थी, जबकि उनकी यह संख्या 2021 में 16 और 2022 में 10 से अधिक थी। ये गिरफ्तारियां चीन की सैन्य धमकी, आर्थिक दबंगई और 'ग्रे एरिया% रणनीति, यथा-एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेट का उपयोग करने और निचले स्तर के सरकारी अधिकारियों को चीन की यात्रा करने पर सभी तरह के खर्च का भुगतान करने का अभियान चलाने के मद्देनजर की गई हैं। ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो द्वारा सप्ताहांत में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, चीनी एजेंटों ने ताइवानी 'अंडरवर्ल्ड% का उपयोग करके उन लोगों को धन मुहैया कराने की कोशिश की है जिनके पास बेचने के लिए कोई जानकारी है। इनमें से कई गिरोह 1949 में दोनों पक्षों के बीच विभाजन से पहले से काम कर रहे हैं और उनकी तलाश की जा रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा कर्ज देने वाली कंपनियों और फर्जी कंपनियों (जिनका उपयोग धनशोधन के लिए किया जा सकता है) तथा धार्मिक संप्रदायों (जो कभी-कभी अवैध गतिविधियों में संलग्न होते हैं) एवं गैर-लाभकारी समूहों की भी तलाश जारी है।

कुछ भुगतान क्रिप्टोकरेंसी के जरिये किए जाते हैं, जबकि पुराने जमाने के तरीकों का भी इस्तेमाल किया जाता है जैसे कि यौन प्रलोभन देकर संदेह रहित लक्ष्यों को फंसाना और रहस्य उजागर करने के लिए उन पर दबाव डालना। ब्यूरो ने कहा कि इसी तरह का वाकया वन-स्टार जनरल लो सीन-चे के साथ हुआ था, जिन्हें थाईलैंड में तैनाती के दौरान ऐसे ही जाल में फंसाया गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569